दैनिक
किस्मत भीलवाड़ा

आवश्यकता है
राजस्थान के भीलवाड़ा से प्रकाशित सबसे तेज समाचार पत्र दैनिक किस्मत भीलवाड़ा को तहसील और जिला स्तर पर महिला/पुरुष संवाददाताओं की आवश्यकता है।
संपर्क करें
दैनिक किस्मत भीलवाड़ा
मो. 9214345421, 8233210027, 9828402526, 6376517605

Email. kismatbhilwara8888@gmail.com | वर्ष 3 अंक-42 | भीलवाड़ा गुरूवार 24 जुलाई 2025 | मूल्य- 2 रूपये | REGN.NO .RAJHIN/2023/87379

28 जुलाई को होगी ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे चर्चा, राजनाथ देंगे जवाब

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की अध्यक्षता में बैठक

राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे। जबकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर जवाब देंगे।

पीएम मोदी भी रहेंगे मौजूद

विपक्ष ने की अगले हफ्ते चर्चा की मांग: तिवारी

कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए। तिवारी ने कहा कि यह एक सामान्य बहस होनी चाहिए, कोई प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। संसद के दोनों सदनों में पहलगाम हमले, बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) और अन्य मुद्दों को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है।

लोकसभा में हंगामे पर बिफरे बिरला ने दी चेतावनी

संसद में सड़क जैसा व्यवहार दुनिया देख रही, अब हम निर्णायक कार्रवाई करेंगे

लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। बुधवार को जब विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा को स्थगित करना पड़ रहा है।

आचरण, व्यवहार नकारात्मक है

निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान 'बिहार में रेल परियोजनाएं' विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा किया। सांसदों के हंगामे को लेकर बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा संसद हमारे गौरवशाली लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। सांसदों से काम की अपेक्षा रहती है।

सदन में बैठिए और मुद्दों पर चर्चा कीजिए

बिरला ने कहा कि आपका जो व्यवहार है वो सड़कों का है। यह आचरण और व्यवहार आप संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहता हूं कि देश उनके सदस्यों के आचरण को देख रहा है। मैं दोबारा कह रहा हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। आप जाइए, सदन में बैठिए और मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

खबर संक्षेप

'अपमान' से परेशान छात्र ने की खुदकुशी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक कॉलेज छात्र की खुदकुशी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सहपाठियों के द्वारा अपमान से परेशान 22 वर्षीय एक छात्र ने खुदकुशी कर ली। उसने सुसाइड नोट में किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है, लेकिन माता-पिता की शिकायत पर पुलिस ने 3 सहपाठियों के खिलाफ उकसाने का केस दर्ज किया है। लड़के ने कोई नाम नहीं लिखा था।

कम उम्र में इंडियन इंफ्लुएंसर की मौत

नई दिल्ली। अपने मजाकिया मीम्स और दिल को छू लेने वाले फोटोशॉप एडिट्स के लिए मशहूर, नास्तिक कृष्णा ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। कृष्णा के क्रिएटीव कंटेंट ने बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसी हस्तियों को हंसाया है। कृष्णा पुरानी, फटी हुई तस्वीरों को संवारने के लिए भी जाने जाते थे।

56 युवतियों को मानव तस्करी से बचाया

कोलकाता। न्यू जलपाईगुड़ी-पटना कैपिटल एक्सप्रेस में जहां रेलवे कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता ने 56 युवतियों को मानव तस्करी का शिकार बनने से बचा लिया। ये महिलाएं पश्चिम बंगाल के दूरदराज जिलों से थीं, जिन्हें बेंगलुरु में नौकरी दिलाने का झांसा देकर बिहार भेजा जा रहा था। उनके हाथ पर कोच और सीट नंबर की मुहर थी।

आय से अधिक संपत्ति में 8 के घर पर छापा

बेंगलुरु। लोकायुक्त के अधिकारियों ने बुधवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक आईएएस अधिकारी समेत 8अधिकारियों से जुड़े परिसरों में छापेमारी की। आईएएस अधिकारी वसंती अमर बी वी रेलवे अवसंरचना विकास कंपनी, कर्नाटक (के-राइड) में विशेष उपायुक्त के रूप में तैनात थीं। भूमि अधिग्रहण अनुभाग संभाल रही थीं।

पुराने वाहनों पर प्रतिबंध एनजीटी ने लगाया

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध सरकार ने नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाया गया है। सरकार की वाहन कबाड़ नीति (व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी) के तहत 15 साल पुराने वाहनों के चलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

राहुल के बयान पर मचा घमासान, भड़के प्रधान ने सुनाई खरी-खरी

नेता प्रतिपक्ष उड़ा रहे लोकतंत्र का मजाक वोट बैंक के लिए ईसी को खिलौना बना रहे

धर्मेंद्र प्रधान ने 'वोट चोरी' के आरोप को कांग्रेस का एक राजनीतिक शिगूफा करार दिया उन्होंने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र का मजाक उड़ाने का एक तरीका बन गया है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और चुनाव व्यवस्था पर हमला बोलते हुए दावा किया है कि देश में चुनाव 'चोरी' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि एक सच्चाई है जिसे कांग्रेस जनता के सामने लाने का काम कर रही है। इस पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार करते हुए उनके बयानों को झूठा और लोकतंत्र का अपमान करार दिया। धर्मेंद्र प्रधान ने 'वोट चोरी' के आरोप को कांग्रेस का एक राजनीतिक शिगूफा करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र का मजाक उड़ाने का एक तरीका बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एससी-एसटी और ओबीसी के नाम पर तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है और अब जब जनता उन्हें लगातार नकार रही है, तो वे जनादेश का अपमान कर रहे हैं। इस दौरान प्रधान ने कांग्रेस को जमकर सुनाया और कहा कि देश के कई राज्यों में कांग्रेस की सरकारें खुद लोगों का अधिकार छीन रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रही हैं।

राहुल का आरोप हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी किए जा रहे

प्रधान बोले- 'वोट चोरी' का आरोप एक राजनीतिक शिगूफा

कांग्रेस कर रही महान लोकतंत्र का अपमान

राहुल गांधी के इन आरोपों पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष हर दिन संसद को बाधित करने के लिए नया बहाना लेकर आता है और इस तरह देश की लोकतांत्रिक परंपरा और संसद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है।

कांग्रेस सरकारों ने एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों का हक छीना

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने यह भी कहा कि जिन वर्गों की बात कांग्रेस कर रही है, उनकी सरकारों ने हाल ही में तेलंगाना और कर्नाटक में उन्हीं एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों के अधिकार छीनने का काम किया है। उन्होंने याद दिलाया कि दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने कभी भी इन वर्गों को उनका हक नहीं दिया, बल्कि हमेशा अपने खास वोटबैंक को साधने की कोशिश की।

जाग चुकी जनता कांग्रेस को नकार रही

प्रधान ने अपने बयान के अंत में कहा कि देश की जागरूक जनता अब कांग्रेस जैसे दलों की सच्चाई को अच्छी तरह पहचान चुकी है। यही वजह है कि कांग्रेस को एक के बाद एक राज्यों में हार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बार-बार 'वोट चोरी' की डफली बजाकर कांग्रेस सिर्फ अपने पिछड़े-विरोधी इतिहास को छिपाना चाहती है, लेकिन अब देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

कांग्रेस चुनाव जीती तो लोकतंत्र और ईसी दोनों सही, वरना..

प्रधान ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और उनके नेताओं को चुनाव आयोग और लोकतंत्र पर भरोसा तब तक ही रहता है, जब तक वे चुनाव जीतते हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में चुनाव जीतती है तो लोकतंत्र और चुनाव आयोग पूरी तरह सही लगते हैं, लेकिन जब वे महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे राज्यों में हार जाते हैं, तो चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए जाते हैं।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

राहुल ने दावा किया कि कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की जांच की गई, जहां बड़े पैमाने पर वोट चोरी का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इसकी पूरी जानकारी जनता के सामने रखी जाएगी। बिहार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सर (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट) के नाम पर एससी-एसटी और ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के वोट चुराए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने चेताया कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन इस अन्याय के खिलाफ न तो चुप बैठेंगे और न ही पीछे हटेंगे। यह लड़ाई संसद से लेकर सड़क तक लड़ी जाएगी।

राहुल का पीएम मोदी पर हमला- दाल में कुछ काला है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के दावे पर राहुलने पीएम मोदी पर हमला बोला है। राहुल ने कहा कि ट्रंप ने 25वीं बार यह बयान दिया। पीएम मोदी इस पर मौन हैं। इससे लगता है दाल में कुछ काला है। राहुल ने सवाल किया कि ट्रंप युद्ध विराम कराने वाले कौन होते हैं? प्रधानमंत्री कैसे बयान दे सकते हैं? वह क्या कहेंगे, ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, वह ऐसा नहीं कह सकते। लेकिन यह सच्चाई है। राहुल ने कहा कि दाल में कुछ काला है।

'सर' का विरोध कर रही इंडिया गठबंधन

बिहार में भाजपा वोटों का अपहरण करना चाह रही

एजेंसी ▶▶ पटना

विधानसभा में मानसून सत्र के तीसरे दिन भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। लंच के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई लेकिन इंडिया गठबंधन के विधायक फिर से हंगामा करने लगे। वह सरकार से मतदाता पुनरीक्षण कार्य पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। लेकिन, विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के विधायकों को अपने स्थान पर बैठने के लिए कहा। लेकिन, विपक्ष ने उनकी बात नहीं मानी और वॉकआउट कर सदन के बाहर निकल गए। इसके बाद इंडिया गठबंधन के विधायकों ने प्रेस वार्ता की। विपक्ष ने कहा कि बिहार वोटरों के नाम काटने की साजिश चल रही है। करीब 57 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से कटने वाला है। सरकार चर्चा से भाग रही है। विपक्ष के विधायक संदीप आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी वोट का अपहरण करना चाहती है। लेकिन, हमलोग ऐसा होने नहीं देंगे। हमलोग गरीबों और वंचितों के लिए खड़े रहेंगे।

डिप्टी सीएम ने जबरन बोला

कांग्रेस के विधायक शकील अहमद खान ने कहा कि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जो हरकत की, उसे हम लोगों ने नोटिस किया। उन्हें नेता प्रतिपक्ष पर बोलने की कोई जरूरत नहीं थी लेकिन उन्होंने अनर्गल टिप्पणी की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने खुद संज्ञान लिया। यह बहुत हास्यास्पद विषय है। ऐसा लग रहा था कि सरकार खुद ही सदन चलाने के पक्ष में नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने बहुत ही तार्किक बात की थी। उन्होंने सर के ऊपर बुनियादी सवाल उठाए। वह तर्कसंगत बात कर रहे थे लेकिन सरकार को उनकी बात पसंद नहीं आई और सिन्हा अनावश्यक टिप्पणी करने लगे। उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष जनता की आवाज होती है।

अब मतदाताओं को सरकार चुन रही

राजद विधायक आलोक मेहता ने कहा कि पिछले दो-तीन सप्ताह से हम लोग सड़क पर मतदाता पुनरीक्षण कार्य के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। हम लोग सरकार से इसे वापस लेने की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। अब तो चुनाव आयोग ने भी घोषणा कर दी है कि 51 लाख लोगों का नाम मतदाता सूची से काटा जा रहा है। ऐसा करना गलत है। ऐसा प्रतीत होता है कि अब मतदाता सरकार को नहीं चुन रहे हैं बल्कि सरकार ही मतदाताओं को चुन रही है।

घरेलू हिंसा में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

मामला दर्ज होने के दो महीने तक गिरफ्तारी न करे पुलिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है और इलाहाबाद हाई कोर्ट के दो साल पुराने दिशा-निर्देशों को अपनाते हुए कहा है कि धारा 498ए के तहत दर्ज मामलों में पुलिस आरोपियों को दो महीने तक गिरफ्तार न करे। कोर्ट ने कहा कि जब कोई महिला ससुराल वालों के खिलाफ 498ए के तहत घरेलू हिंसा या दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराए तो पुलिस वाले उसके पति या उसके रिश्तेदारों को 2महीने तक गिरफ्तार न करे। 2 महीने की अवधि को शांति अवधि कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एक महिला आईपीएस से जुड़े मामले के दौरान दिया। कोर्ट ने उससे अलग हुए पति, रिश्तेदारों के उत्पीड़न के लिए अखबारों में माफीनामा प्रकाशित कर माफी मांगने का आदेश दिया है।

ईडी का कंपनियों-निदेशकों पर शिकंजा

मिंत्रा-निदेशकों के खिलाफ 1,654 करोड़ का फेमा केस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट समर्थित 'फैशन एवं लाइफस्टाइल' मंच मिंत्रा, संबंधित कंपनियों और निदेशकों के खिलाफ 1,654 करोड़ रुपये से अधिक के एफडीआई 'उल्लंघन' में फेमा के तहत मामला दर्ज किया है। वित्तीय अपराध जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईडी ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 16(3) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। एजेंसी को 'विश्वसनीय जानकारी' मिली थी कि 'मिंत्रा' ब्रांड नाम वाली मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड और इसकी संबंधित कंपनियां 'थोक कैश एंड कैरी' की आड़ में बहु-ब्रांड खुदरा कारोबार कर रही हैं। यह व्यवस्था एफडीआई नीति का सीधा उल्लंघन है।

नकदी मिलने के मामले में शीर्ष कोर्ट में दी चुनौती

जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुनवाई के लिए जल्द गठित होगी 'सुप्रीम' पीठ

सुप्रीम कोर्ट में उठा यह मुद्दा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह एक बेंच गठित करेगा जो जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें उन्होंने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ उनके आवास पर नकदी मिलने के मामले में टिप्पणी की गई थी। यह मामला चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस जयमाल्या बागची की बेंच के समक्ष उठाया गया।

एक उपयुक्त बेंच बनाई जाएगी

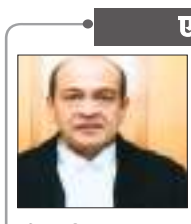

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी, सिद्धार्थ लूथरा, सिद्धार्थ अग्रवाल और वकील जॉर्ज पोटन पूथिकोटे, मनीषा सिंह समेत अन्य लोग जस्टिस वर्मा की ओर से पेश हुए। उन्होंने कहा कि हमने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज की ओर से याचिका दायर की है। इसमें कुछ सांविधानिक मुद्दे शामिल हैं। जल्द ही एक बेंच गठित की जाए। सीजेआई ने कहा कि हम इस पर विचार करेंगे और एक उपयुक्त बेंच बनाएंगे।

मामले से हटे सीजेआई गवई

जस्टिस यशवंत वर्मा के कैश कांड की सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं।

बाढ़-भूस्खलन ने जनजीवन किया अस्त-व्यस्त, हजारों प्रभावित

अंधेरी सबवे बंद और समुद्र में मिला फ्लोटिंग कंटेनर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई हर तरफ पानी से सराबोर हो चुकी है। मुंबई का सबसे भीड़भाड़ वाला अंधेरी सबवे बंद हो चुका है। पिछले कई दिनों से मुंबई में हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सबवे का रास्ता झील में तब्दील हो चुका है। सबवे का रूट अब गोखले ब्रिज और ठाकरे ब्रिज की तरफ डायवर्ट कर दिया गया है। बांद्रा में भारी बारिश के कारण भरत नगर चॉल ढह गया था। सोमवार की रात हुए इस हादसे में 15 लोग गंभीर रूप से घायल थे।

मुंबई में भारी बारिश से लोग हलाकान, मार्ग परिवर्तित

समुद्र भी उफान पर

मुंबई में लगातार खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण समुद्र भी उफान पर है। इस दौरान विरार के कलंब बीच पर अचानक एक तैरता हुआ कंटेनर देखकर हड़कंप मच गया। कंटेनर में ढेर सारे वॉलपेपर भरे हैं।

राजस्थान में भी तबाही

देखते ही देखते ढह गया पहाड़

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में बुधवार तड़के हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके में कहर बरपा दिया। जिले के चिड़ावा, पिलानी, नवलगढ़, उदयपुरवाटी सहित कई क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नारी गांव में एक पूरा पहाड़ ढह गया, जो काफी भयावह है। बजावा रावत का गांव में एक मकान ढहने से अंजू नाम की एक महिला की मौत हो गई।

हिमाचल में 385 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों हुई भारी बारिश के बाद दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 385 सड़कें बंद हो गई हैं। मंडी में एनएच 70 बंद है। सिरमौर में एनएच 707 बंद हो गया है। 252 सड़कें अवरुद्ध हैं, 263 ट्रांसफॉर्मर और जलापूर्ति की 220 योजनाएं बंद हैं।

बाढ़ और भूस्खलन से अमरनाथ यात्री रास्ते में फंसे

रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में भारी बारिश से मलबे के भूस्खलन ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया। सैकड़ों वाहन फंस गए और अमरनाथ यात्रा से लौट रहे कई श्रद्धालु भी बीच रास्ते में रुक गए हैं।

कटड़ा से दिल्ली आने वाली ट्रेन

वंदे भारत में पैसेंजर को दाल में मिला कीड़ा, रेलवे ने मांगी माफी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

इंडियन रेलवे की सबसे प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत के खाने में कीड़ा निकलने का मामला सामने आया है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के खाने में कीड़े मिलने की तस्वीर को एक यात्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया है। पोस्ट की तस्वीर पोस्ट में दिख रहा है कि एल्युमीनियम के डिब्बे में परोसी गई दाल में एक काला कीड़ा मौजूद है। यह तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। पोस्ट में दावा किया गया है कि यह घटना 22 जुलाई को कटड़ा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस में हुई।

सोशल मीडिया इस मामले को जिस अकाउंट से उठाया गया है। उसमें बायो में वडोदरा के निवासी होने का उल्लेख किया है। यूजर नेपहले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को टैग किया है। इसके बाद भूल सुधार कर नई पोस्ट में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी टैग किया है। हालांकि रेलवे ने इसके लिए माफी मांग ली है।

महात्मा गांधी अस्पताल की धर्मशाला व कैंटीन संचालन पर समाजसेवी ने उठाए सवाल, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में संचालित धर्मशाला और कैंटीन के संचालन में अनियमितताओं को लेकर समाजसेवी मोहम्मद हारून रंगरेज ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है। हारून रंगरेज ने आरोप लगाया कि गरीब मरीजों के लिए बनी धर्मशाला में अब होटल जैसी दरें वसूली जा रही हैं और किसी प्रकार का पारदर्शी रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। साथ ही धर्मशाला में संचालित कैंटीन का ठेका निजी पक्ष को ?70,000 प्रति माह में दिया गया है, जबकि सरकारी कैंटीन बंद पड़ी है जिससे गरीब मरीजों को सस्ती दरों पर भोजन नहीं मिल पा रहा। उन्होंने मांग की कि धर्मशाला व कैंटीन की आय-व्यय की जानकारी सार्वजनिक की जाए, संचालन में पारदर्शिता लाई जाए और यदि जनसेवा के स्थान पर मुनाफाखोरी की पुष्टि हो तो संचालन तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही बंद पड़ी सरकारी कैंटीन को पुन: शुरू करने और धर्मशाला में कमरों का आवंटन डॉक्टर की अनुमति से ही करने की मांग की। रंगरेज ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो यह मुद्दा प्रदेश स्तर पर उठाया जाएगा।

शिवगंज में दशा माता व्रत का शुभारंभ,मूर्ति दुकानों पर उमड़ी भीड़

किस्मत भीलवाड़ा

शिवगंज, नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कल से शुरू हो रहे दशा माता व्रत को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह व्रत सात दिनों तक चलेगा, जिसमें महिलाएं घरों व मोहल्लों में दशा माता की मूर्ति विराजमान कर पूजा-अर्चना, भजन एवं गरबा करती हैं। शिवगंज में आज से ही माता की मूर्तियों की खरीदारी को लेकर बाजारों में रौनक रही। केरलेश्वर महादेव मंदिर के सामने स्थित मूर्ति निर्माता कपुराम की दुकान पर खासा भीड़ देखी गई। 25 वर्षों से मूर्ति निर्माण में निपुण कपुराम ने यह कला गुजरात में सीखी है। वे एक से पांच फीट तक की मूर्तियां तैयार करते हैं। उनका पूरा परिवार–मन्नु देवी, तलसाराम, टीकाराम और पारु कुमारी–इस पारंपरिक शिल्प कार्य में जुड़ा हुआ है। कपुराम परिवार की यह कला न केवल धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखती है, बल्कि एक छोटे व्यापार के रूप में उनका जीवनयापन भी सुनिश्चित करती है। व्रत के अवसर पर शिवगंज सहित आस-पास के गांवों में भी दशा माता की मूर्तियां श्रद्धा के साथ स्थापित की जा रही हैं।

हाईकोर्ट में संगीता शर्मा की नियुक्ति पर केकड़ी बार एसोसिएशन ने मनाया उत्सव

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी, अजमेर की जिला न्यायाधीश संगीता शर्मा की राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्ति पर केकड़ी बार एसोसिएशन में हर्ष की लहर दौड़ गई। अधिवक्ताओं ने मिठाई बांटकर शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष डॉ. मनोज आहूजा ने इसे महिला सशक्तिकरण और न्यायपालिका की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बार सदस्यों ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गँवाई का आभार जताते हुए न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने वाला निर्णय बताया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे और इसे ऐतिहासिक अवसर कहा।

राम का जन्म युग परिवर्तन का प्रतीक, धरती पर सुख -शांति के लिए हुआ अवतार - कथावाचक तुलसीराम पाण्डे

किस्मत भीलवाड़ा

राजलदेसर /चूरू । राजलदेसर में पांडे शिवालय के सत्संग भवन में चल रही नौ दिवसीय रामकथा के तीसरे दिन कथा वाचक तुलसीराम पाण्डे ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम का जन्म युग परिवर्तन का प्रतीक है। रघुकुल नायक राम का अवतार अयोध्या और पूरी धरती पर सुख, शांति और धर्म की स्थापना के लिए हुआ। असुरों के अत्याचार और अधर्म से त्रस्त समाज में प्रभु राम ने धर्म की विजय का मार्ग प्रशस्त किया। राम के जीवन की हर घटनाधर्म, सत्य, न्याय, प्रेम और सदाचार की शिक्षा देती है।उनका जीवन मानव समाज को नित नई प्रेरणा देने वाला अद्वितीय प्रसंग है। धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। रामकथा का वास्तविक आनंदत भी मिलता है जब वक्ता और श्रोता सुर, लय और तालमें एकरूप होकर कथा का रसपान करें।उन्होंने कहा कि सिद्ध होने की नहीं, शुद्ध होने.की आवश्यकता है। इसलिए मनुष्य को अपना कर्म शुद्ध रखना चाहिए । इस अवसर पर कथा के यजमान विनोद कुमार नाई सपत्निक , रमेश पांडे, पुजारी धनपत शर्मा, बजरंग भाटिया, नंदलाल छंगानी , नोरतन नाई ,पवन शर्मा, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे ।

भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने नान्दसा स्थित 1800 वर्ष पुराने यूप स्तंभ को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की लोकसभा में उठाई मांग

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने भीलवाड़ा जिले के गंगापुर विधानसभा के नान्दसा में स्थित स्तम्भ यूप को संरक्षित करने की मांग सरकार से करते हुए राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग को लोकसभा सदन के मानसून सत्र के दौरान नियम 377 के तहत पटल पर रखा । साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि यह स्तंभ चैत्र पूर्णिमा को 1800 वर्ष पूर्ण हुआ था। इसकी स्थापना मालवा के राजा राजा सोम ने 61 रात्रि तक चले एकसृष्टि रात्रि यज्ञ के पश्चात की गई । यहां दो स्तंभ है इस कारण इसे यूप कहा जाता है। ग्राम वासी इसे भीमरा और भीमरी कहते हैं। इसमें से दूसरा स्तम्भ जिससे ग्रामीण भीमरी कहते हैं वह

क्षतिग्रस्त भी हो रखा है। इसका क्षतिग्रस्त टूटा हुआ भाग उदयपुर संग्रहालय में रखा गया है । इस स्तम्भ का प्राचीन

इतिहास1800 वर्ष प्राचीन मानव निर्मित स्तंभ जिस पर ब्राह्मी लिपि में संस्कृत भाषा में लिखा है। ऐसा स्तम्भ यूप पूरे उत्तर भारत में कहीं नहीं है। यह स्तंभ इतना प्राचीन है जिससे समकालीन राजनीति, राज व्यवस्था, सामाजिक संरचना, धार्मिक, आध्यात्मिक विषयों की विशद जानकारी प्राप्त होती है। इसकी खोज 1927 में ख्यातनाम पुरा विशेषज्ञ रायबहादुर गौरीशंकर हीराचंद ओझा ने की। वर्ष 1937 में इस पर लिखे हुए लेख को एक कपड़े पर छाप करके पढ़ा गया। जिसकी रिपोर्ट एएसआई द्वारा 1947 में अपनी पुस्तक इम्प्रिग्राफिया में विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई। उसके पश्चात यह रिपोर्ट दो बार और छप चुकी है। परंतु संक्रमण काल में यह राष्ट्रीय स्मारक बनने की सूची में छूट गया था। भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल द्वारा इसके संरक्षण और इसको राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग को सदन में रखने के पश्चात इस स्तंभ के राष्ट्रीय स्मारक बनने की राह पर प्रशस्त होगी। वर्तमान में यह स्तम्भ यूप नान्दसा के तालाब में अंतिम छोर में है। जलधारा विकास संस्थान द्वारा वर्ष 2025 में भीलवाड़ा पुराप्राचीन वैभव महोत्सव आयोजित कर इस स्थान को संरक्षित करने की मांग सांसद दामोदर अग्रवाल से की गई। आज सदन में नियम 377 के तहत लोकमहत्व के अति महत्त्वपूर्ण मुद्दे को सदन के पटल पर रखते हुए, इसमें भीलवाड़ा जिले के नांदसा गाँव में स्थापित 1800 वर्ष प्राचीन दो स्तूप को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की माँग की गई। साँसद अग्रवाल ने कहा कि प्राचीन काल के निर्मित भवन व स्तम्भ हमारी संस्कृति की पहचान है हमारी धरोहर है इनका संरक्षण करना हमारी प्राथमिकता है।

विद्युत उपकरण जलने से किसान को 30,000 का नुकसान, चार माह बाद भी नहीं मिला मुआवजा

किस्मत भीलवाड़ा

शिवगंज, शिवगंज क्षेत्र के केराल गांव निवासी डूंगर सिंह पुत्र धूल सिंह ने सहायक अभियंता, जो. वि. वि. नि.लि. शिवगंज को ज्ञापन सौंपकर मुआवजा दिलाने की मांग की है। डूंगर सिंह का कहना है कि करीब सात माह पूर्व गांव में मीणा समाज के कृषि कनेक्शन हेतु जो घरेलू विद्युत लाइन (K नंबर 320613025896) खींची गई, वह भीलोंवास से मीणा की ढाबी तक 10-11 थम्बों के सहारे इलेवन केवी और एलटी लाइन के माध्यम से

गुजरती है। तेज हवा के कारण तारों के आपस में टकराने से 10 अप्रैल 2025 को उनके घर के पांच पंखे, टीवी, वाशिंग मशीन, एलईडी बल्ब और नई वायरिंग सहित मीटर जलकर खाक हो गया, जिससे लगभग 30,000 का नुकसान हुआ। पीड़ित ने आरोप लगाया कि हादसे के चार महीने बाद भी विद्युत विभाग द्वारा कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। साथ ही उन्होंने लंबी दूरी पर खिंची एलटी लाइन को मुख्य सड़क से हटवाने की मांग करते हुए चेताया कि भविष्य में यह राहगीरों व खेतों की फसल के लिए भी खतरनाक साबित हो सकती है। ग्रामीण ने शीघ्र मुआवजा दिलाने और सुरक्षित लाइन व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

बनेड़ा ब्लॉक में सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

किस्मत भीलवाड़ा

बनेड़ा, – ब्लॉक बनेड़ा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी.पी. गोस्वामी की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व जनसंख्या दिवस के अंतर्गत "मां बनने की उम्र वही जब तन और मन की तैयारी सही" थीम पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाने की योजना पर चर्चा की गई। बैठक में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, CHO, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता व अन्य स्टाफ ने भाग लिया। वर्ष 2024-25 में परिवार कल्याण कार्यक्रम में शत-प्रतिशत लक्ष्य उपलब्धि वाले अधिकारी-कर्मियों को सम्मानित किया गया। सीएमएचओ डॉ.

गोस्वामी ने टीबी स्क्रीनिंग में तेजी लाने, नॉट टेस्ट बढ़ाने व जलभराव क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों का सर्वे व उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, आयुष्मान कार्ड वितरण, 70+ नागरिकों की ई-केवाईसी, हेड काउंट सर्वे पूर्ण करने तथा एमआर-1 और एमआर-2 से वंचित बच्चों का शीघ्र टीकाकरण करने पर जोर दिया। बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नगर निगम का श्रावण मास में विशिष्ट आयोजन

वार्ड 21 और 58 के नांदेश्वर महादेव मंदिर एवं राधे पार्क शिवालय में हुआ सहस्त्रधारा अभिषेक

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर 70 वार्डों के 70 मंदिरों में 70 अभिषेक कार्यक्रम के तेरहवें दिन दो वार्डों में महापौर राकेश पाठक के नेतृत्व में आयोजन संपन्न हुआ। वार्ड 58 में विजय सिंह पथिक नगर स्थित नांदेश्वर महादेव मंदिर में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के सान्निध्य एवं पार्षद मधु शर्मा की उपस्थिति और वार्ड 21 में राधे पार्क स्थित शिवालय में पार्षद अनिल सिंह जादौन की उपस्थिति में सहस्त्रधारा अभिषेक का आयोजन हुआ। पंडित योगेन्द्र शर्मा सहित सहयोगी पंडितों ने अभिषेक संपन्न कराया। इस दौरान सुभाष मंडल अध्यक्ष ऋतुशेखर शर्मा, प्रताप मंडल अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह, कार्यक्रम संयोजक ओम साईराम, संदीप पायक, निर्मल जैन, लादू सिंह, बद्रीलाल सोमानी मथुरालाल तंबोली, सीपी शर्मा, गिरिराज

गहलोत, हेमेंद्र सिंह, ओम शर्मा, हिमांशु शर्मा, गोविंद कसौटिया, राजेन्द्र पाराशर , कैलाश नंदावत, दिनेश सोनी, सुरेश मंत्री, राजू नाहर, भेरुलाल शर्मा, राकेश शर्मा, प्रभाकर चतुर्वेदी, बनवारी सोमानी, रामावतार गौतम, रामप्रसाद सिरोठा, गोपाल निरंजनी, सीता वैष्णव, संगीता सोनी, तुलसी भाटी, हरिप्रकाश पारीक एवं अनेक वार्डवासी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

आज वार्ड 55 और 64 में होगा सहस्त्रधारा अभिषेक

नगर निगम द्वारा आयोजित श्रावण मास सहस्त्रधारा अभिषेक कार्यक्रम आज प्रातः 9 बजे वार्ड 64 के अंतर्गत मलान स्थित मंदिर में और दोपहर 2 बजे वार्ड 55 में विनायक रेजिडेंसी के पास स्थित शिव मंदिर में आयोजित होगा।

खनन की आड़ में सरपंच ने किया वन भूमि पर अवैध कब्जा, स्थानीय वन विभाग के कार्मिक दे रहे सरंक्षण

जिला कलेक्टर व डीएफओ ने मामले को लिया गंभीरता से खुद कर रहे मॉनिटरिंग

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा । जिले में भ्रष्टाचार के दलदल में अधिकारी अब वन विभाग की जमीन को भी नहीं छोड़ रहे है। अधिकारी अपने चेहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए नक्शों में हेराफेरी करके पूरी की पूरी जमीन को ही गायब कर रहे है। एक ओर जहां पीएम मोदी और मुख्यमंत्री पौधारोपण करके जंगलों को बढ़ाने का संदेश दे रहे है वहीं दूसरी ओर अधिकारी इन जमीनों की बंदरबाट करके अपने चेहेतों में बांट रहे है। ऐसा ही एक मामला भीलवाड़ा जिले के करेड़ा उपखंड के धुंवाला ग्राम पंचायत में देखने को मिला है। जहां वन विभाग ने इसका 11 जूलाई 2017 में भौतिक सीमांकन करवाया जिसकी मौका रिपोर्ट में 3395/3, रकबा 431.09 व 3396/4 रकबा 43.17 कुल 475.06 बीघा का सर्वे किया। जिसके राजस्व नक्शे अनुसार सर्वे किए जाने पर वन विभाग ने कोर्ट (चार दिवारी) के नक्शे में से करीब 35 बीघा जमीन को गायब कर दिया गया। अब इसी भूमी को ग्रामीण मात्र 22 बीघा ही बता रहे है। अभी हाल ही में वन विभाग द्वारा अधिकारियों ने भी अपनी जमीन दर्शाने के पीलर बनाएं गए है। जिसको लेकर ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग भी यह 22 बीघा जमीन को भूलकर गलत पीलर बनाएं है। ग्रामीण इसको लेकर

पिछले काफी वर्षों से दर-दर भटक रहे है मगर उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीण जयपुर तक भी फरियाद लेकर गए लेकिन राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत के चलते कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। वहीं अब जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु और जिला उपवन अधिकारी गौरव गर्ग ने ग्रामीणों की शिकायत पर जांच कर रहे है। ग्रामीण मेवा लाल गुर्जर ने कहा कि हमारे गांव में एक ओर बिलानाम और दूसरी ओर वन विभाग की जमीन है। जिसकी पुराने समय में कुल 475 बीघा 6 बिस्वा जमीन को वन विभाग के नाम दर्ज करके चार दिवारी करवाई गई थी। इसके बाद अधिकारियों ने मिली भगत करके करीब 22 बीघा जमीन को गायब कर दिया गया। इस जमीन को अधिकारियों ने बिलानाम जमीन घोषित कर दी है। जिसमें एसडीएम ने एक ही दिन में आदेश जारी किया और ग्रामसभा, सरपंच और पंचायत का प्रस्ताव भी एक ही दिन में पारित कर दिया। एसडीएम ने आदेश के बाद एक ही दिन में इस जमीन के प्रस्ताव को पारित भी कर दिया। जिसको अपने चेहेतों के नाम दर्ज करवा दी। हमने इसकी शिकायत वन विभाग से लेकर सीएम दर्ज करवाई मगर रिपोर्ट आती है तो अधिकारी अपने स्तर पर ही उसकी खानापुर्ति करके वापस भेज देते है और हमें पता ही नहीं चलता है। अब हमें कलेक्टर और उपवन अधिकारी ने जांच का आश्वासन दिया है। जिससे उम्मीद है कि जल्द वन विभाग की जमीन वापस मिल सकेगी।

प्राज्ञ स्वाध्याय भवन में साध्वी प्रवीणाश्रीजी का प्रवचन, कहा - "कषायों का त्याग कर जिनवाणी रूपी अमृत ग्रहण करें"

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, – श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ के तत्वावधान में प्राज्ञ स्वाध्याय भवन, भीलवाड़ा में आयोजित धर्मसभा में युगदृष्टा आचार्य ज्ञानचंद्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती तपदीप्ति महाश्रमणी रत्ना महासाध्वी प्रवीणाश्रीजी म.सा. ने प्रवचन देते हुए कहा कि जिस प्रकार वायुमंडल में अनेक गैसों के बावजूद मनुष्य केवल ऑक्सीजन ही ग्रहण करता है, वैसे ही हमें संसार के राग-द्वेष, लोभ, मान जैसे कषायों को छोड़कर जिनवाणी रूपी अमृत को ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कषाय रूपी विष अनादिकाल से हमारे संस्कारों में है, और इसे मिटाने के लिए सम्यक पुरुषार्थ आवश्यक है। मनुष्य जीवन का उद्देश्य समझकर धर्म के मार्ग पर अग्रसर होना ही मोक्ष की ओर पहला कदम है। इस अवसर पर साध्वी जागृतिश्रीजी म.सा. ने श्रावक धर्म के 12 व्रतों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि ये व्रत सरल होते हुए भी अत्यंत प्रभावशाली हैं, जिनसे मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। साध्वी नम्रताश्रीजी, स्वर्णरेखाजी, अतुलप्रभाजी, निर्जराश्रीजी, निसर्गश्रीजी एवं केवलिश्रीजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में मोनिका बाबेल ने तेला तप का पच्चक्खान लिया, जबकि कई श्रद्धालुओं ने उपवास, आयंबिल व एकासन जैसे तप किए। सभा का संचालन महावीर पोखरना ने किया।

बनेड़ा कस्बे में दिनदहाड़े सूने मकान में चोरों का धावा, सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी ले उड़े बनेड़ा

किस्मत भीलवाड़ा

कस्बे के माली मोहल्ला में बुधवार को दिनदहाड़े एक सूने मकान में धावा बोला और ताले तोड़कर सोना चांदी के जेवरात सहित नगदी उड़ा ले गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। माली मोहल्ला निवासी कैलाश माली ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वह सुबह मकान को ताला लगाकर चाय

की होटल गया था और पत्नी खेत पर गई हुए थी । जिसके बाद अज्ञात चोर घर में घुसे और कमरे तथा अलमारी के ताले तोड़ उसमें रखा 4 तोला सोने का मांदलिया, मंगलसूत्र, 250 ग्राम चांदी के पायजेब सहित 45000 रुपए नगदी ले उड़े। उन्होंने बताया कि जब वे दोपहर 2 बजे अपनी माताजी को लेकर घर पहुंचे, तो ताले टूटे हुए और अलमारी का सामान बिखरा पड़ा मिला। फिलहाल पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत वृक्षारोपण

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में "हरियालो राजस्थान" कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. सावन कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर की गई। इसके पश्चात सभी संकाय सदस्यों एवं छात्राओं ने एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दिया। छात्राओं ने न केवल वृक्षारोपण किया बल्कि उनके संरक्षण व देखभाल की शपथ भी ली। प्राचार्य डॉ. जांगिड़ ने इस अवसर पर पेड़-पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष पृथ्वी पर जीवन का आधार हैं। एक पेड़ न केवल ऑक्सीजन का स्रोत होता है, बल्कि यह धरती का तापमान नियंत्रित करने और प्रदूषण को कम करने में भी सहायक होता है। उन्होंने सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में डॉ. के. सी. गुप्ता, डॉ. सरोज मेहता सहित महाविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य, कर्मचारीगण व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी रही और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया गया।

गोपालपुरा संस्कृत विद्यालय में वृक्षारोपण, लगाए 235 पौधे

किस्मत भीलवाड़ा

बनेड़ा। राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय गोपालपुरा में हरित राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर एवं गांव के बालाजी मंदिर प्रांगण में छायादार, फलदार व फूलों के कुल 235 पौधे रोपे गए। इस अवसर पर नेहरू युवा संस्थान एवं विद्यालय विकास प्रबंध समिति के अध्यक्ष गणपत सिंह राणावत, संस्था प्रधान सुमनलता उपाध्याय, माया देवी, सीता देवी, प्रहलाद सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं व ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार व ग्रामीणजनों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए इस पहल को निरंतर जारी रखने की बात कही।

राजस्व न्यायालयों में विधि विशेषज्ञों की नियुक्ति की मांग

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी, 23 जुलाई। जिला बार एसोसिएशन केकड़ी ने मुख्यमंत्री और विधि मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए राजस्व न्यायालयों में विधि विशेषज्ञ न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की मांग की। अध्यक्ष डॉ. मनोज आहूजा ने बताया कि वर्तमान में राजस्व मामलों की सुनवाई उपखंड अधिकारियों द्वारा की जाती है, जिनके पास कानून की शिक्षा नहीं होती। इससे करीब 5 लाख प्रकरणों में न्याय प्रभावित हो रहा है। आहूजा ने कहा कि सीपीसी, सीआरपीसी, उत्तराधिकार अधिनियम सहित कई कानूनों की जानकारी आवश्यक है, जो गैर-कानूनी प्रशिक्षित अधिकारियों के पास नहीं होती। इससे न सिर्फ न्याय में देरी होती है, बल्कि संविधान की भावना का भी उल्लंघन होता है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कई अधिवक्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने विधि विशेषज्ञों की नियुक्ति को आवश्यक बताते हुए राज्य सरकार से शीघ्र कार्रवाई की मांग की, ताकि आमजन को सस्ता व त्वरित न्याय मिल सके।

महिला कांग्रेस ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का किया सम्मान

किस्मत भीलवाड़ा

शिवगंज (सिरोही) महिला कांग्रेस की ओर से शिवगंज में हाल ही में नियुक्त प्रदेश महासचिव हेमलता शर्मा और महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेणुलता व्यास के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दोनों पदाधिकारियों का पुष्पहार व शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक व मुख्यमंत्री सलाहकार संयम लोढ़ा, महिला कांग्रेस नगर अध्यक्ष नजमा सिलावट, पूर्व पार्षद सुन्दर देवी माली, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भगवती मेघवाल, रजनी मेघवाल, नफीसा सिलावट, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रतन माली, ईश्वरलाल पुरोहित सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए सभी ने संगठन को मजबूत बनाने व महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। समारोह में कांग्रेसजनों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन में नई ऊर्जा के संचार की उम्मीद जताई।

कावड़ यात्रियों ने खिड़की महादेव के किया पुष्कर के जल से जलाभिषेक

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सहित ग्रामीणों ने कावड़ियों का किया भव्य स्वागत।

सावर। गत दिनों सावर से पुष्कर सरोवर से जल लेने गए कावड़ यात्रियों के बुधवार सुबह सावर पहुंचने पर सावर मार्बल ऐसोसिएशन अध्यक्ष योगेंद्र सिंह शक्तावत एवं युवा भाजपा नेता राजदीप सिंह शक्तावत ने खाटूश्याम मंदिर प्रांगण में सभी कावड़ियो का तिलक व माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई।कावड़ियों के दल ने शोभायात्रा के साथ केकड़ी गेट,सदर बाजार होते हुए गढ़ परिसर के समीप में स्थित मराठा काल के ऐतिहासिक अति प्राचीन खिड़की महादेव मंदिर पहुंची। जहां पर पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ही भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। इस दौरान विश्व हिन्दू परिषद , बजरंग दल संगठन के सभी सदस्यों द्वारा जलाभिषेक किया जाएगा।

विकास अधिकारी को मंत्रालयिक कर्मचारी संघ ने मांगो को लेकर दिया ज्ञापन

किस्मत भीलवाड़ा

सावर। विभिन्न मांगों को लेकर स्थानीय मंत्रालय कर्मचारी संघ ने पंचायत समिति विकास अधिकारी चिरंजी लाल वर्मा को ज्ञापन सौपा ! ज्ञापन में कर्मचारियों के बार-बार डॉक्युमेंट वेरीफिकेशन को अनुचित ठहराते हुए इस प्रक्रिया को समाप्त करने तथा अन्य विभिन्न मांगों एवं अधिकारों के लिए मुख्यमंत्री महोदय एवं पंचायती राज मंत्री के नाम का ज्ञापन विकास अधिकारी चिरंजी लाल वर्मा को दिया गया ! मंत्रालय कर्मचारी संघ सावर ब्लॉक अध्यक्ष रमेश चंद खारोल, संरक्षक लोकेश पारीक एवं विनोद सेन ,विनय जोशी, दुर्गेश खटीक ,मधुबाला, पुखराज जाट, ,कविता राठौड़, सुनीता कुमावत,रिजवाना बानो सहित दर्जनों मंत्रालय कर्मचारी सम्मिलित रहे !

पोषाहार का मिल्क पाउडर घर ले जाते टीचर को पकड़ा

ग्रामीणों ने बैग खुलवाकर देखा तो घबरा गया कहा- दूसरी स्कूल में करनी थी सप्लाई

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा भीलवाड़ा जिले में एक सरकारी स्कूल से मिल्क पाउडर ले जाते टीचर को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। उन्होंने टीचर का बैग खुलवाकर देखा तो उसमें मिल्क पाउडर की तीन थैलियां मिली। ग्रामीणों ने जब मिल्क पाउडर के बारे में पूछा तो टीचर घबरा गया और उनसे दूसरी स्कूल में सप्लाई करने के लिए कहा। मामला जहाजपुर क्षेत्र के जमोली पंचायत की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बदनपुरा का है। दरअसल, स्कूल की छुट्टी होने के बाद दोपहर करीब एक बजे टीचर सचिन टाक अपने बैग में मिल्क पाउडर की थैलियां डालकर ले जा रहा था। जब

वह स्कूल से बाहर निकाला तो गांव के एक व्यक्ति ने उसे रुकवा लिया और उसका बैग चेक किया। बैग को चेक करने पर उसमें मिल्क पाउडर की

तीन थैलियां मिली। इस दौरान वहां कुछ और ग्रामीण पहुंच गए। जब ग्रामीणों ने टीचर से मिल्क पाउडर स्कूल से बाहर ले जाने की पूछा तो वह घबरा गया। उसने दूसरी स्कूल में सप्लाई करने के लिए कहा। इस पर ग्रामीणों ने टीचर से लिखित में लेटर मांगा कि दूसरी स्कूल में सप्लाई के लिए ऑर्डर बताइए। आपके पास लिखित आदेश की कॉपी होगी उसे दिखाओ। मामला बढ़ता देख टीचर सचिन टाक वापस स्कूल में चला गया और रूम का ताला खोलकर बैग अंदर रख दिया। टीचर सचिन टाक रूम से चेयर बाहर निकाल लाया और उस पर बैठ गया। ग्रामीणों ने इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी बनाया है। स्कूल रूम में रखे बैग को खोलकर मिल्क पाउडर की थैलियां दिखाने की भी ग्रामीणों ने वीडियोग्राफी की। इस दौरान ग्रामीणों के साथ बच्चे भी मौजूद थे।

श्रमिक पिता के शव को 05 बेटियों ने दिया कंधा सामाजिक बदलाव की सुखद तस्वीर

श्रमिक डाऊ राम को बेटियों ने दिया कंधा

अब 5 बेटियों के सपनो के कैसे लगेंगे पंख

किस्मत भीलवाड़ा

भीम 23 जुलाई आमतौर पर शहर एवं आर्थिक सामाजिक रूप से समृद्ध परिवारों के पिता के निधन पर बेटियों द्वारा अपने पिता को कंधा देने की खबर देखने में आती है। परन्तु आज हम जिस खबर से आपको रूबरू करवा रहे है। यह खबर ना तो किसी शहरी परिवार की और ना ही किसी आर्थिक और सामाजिक रूप से समृद्ध परिवार की है। यह घटना एक सामान्य किसान एवं श्रमिक परिवार के छोटे से गाँव की है। उपखण्ड के समीपस्थ समेलिया निवासी 37 वर्षीय डाऊ राम रेगर की कुछ दिन बीमार रहकर ही बुधवार सुबह मृत्यु हो गयी। मृतक डाऊ राम के 5 बेटिया है। गाँव में जैसे ही 5 बेटियों के पिता की मृत्यु की खबर फ़ैली। मानो चारो और सन्नाटा सा छा गया। ग्रामीणों की आंखे डाऊ राम के निधन की खबर से तो नम थी ही। परन्तु मृतक की 5 बेटियों का रूद्र क्रंदन हर किसी की रूंह कपाने वाला था। गाँव में मातम सा छा गया। बात जब किसान श्रमिक डाऊ राम के वारिस के तौर पर पिता को कंधा देने की आई तो शिक्षाविद एवं पूर्व प्रधानाचार्य मोहन लाल उदेनिया ने मृतक की बेटियों को अपने पिता के शव को कंधा देने की प्रेरणा दी। जिस पर मृतक डाऊ राम रेगर की पांचो बेटियों ने पिता के शव को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया।

अब 5 बेटियों के सपनो के कैसे लगेंगे पंख

जानकारी के अनुसार मृतक डाऊ राम के पांच बेटिया रेखा 19 पायल 17 विद्या 16 प्रतिज्ञा 9 एवं कृष्णा 6 वर्ष है। पिता के पास थोड़ी सी जमीन थी। जिस पर कृषि पशुपालन एवं दिहाड़ी मजदूरी कर अपना और अपनी बेटियों का पालन पोषण कर रहे थे। अब इन पांच बेटियों के सिर से पिता का साया उठने के बाद बेटियों की शिक्षा दीक्षा आदि की समस्या आ खडी हुई है।

समाज आया सहायता को आया आगे

पांच बेटियों के पिता डाऊ के निधन के समाचार अपने आप में दुखद थे। डाऊ राम के अन्तिम संस्कार के बाद समाज की महासभा के पूर्व अध्यक्ष मोहन लाल उदेनिया की प्रेरणा से समाजजनों के द्वारा 35 हजार रूपये संगृहीत कर पीड़ित परिवार को नकद सहायता प्रदान की गयी।

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों ने पदोन्नति व कार्य विभाजन की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

किस्मत भीलवाड़ा

शाहपुरा, पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन, राजस्थान के प्रदेशव्यापी आह्वान पर संगठन की जिला शाखा भीलवाड़ा द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष विजेन्द्र सिंह खंगारोत के नेतृत्व में पंचायत समिति बनेड़ा के विकास अधिकारी धर्मपाल परसोया को मुख्यमंत्री, पंचायती राज मंत्री, मुख्य सचिव एवं शासन सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ब्लॉक अध्यक्ष खंगारोत ने बताया कि मंत्रालयिक संवर्ग के पदोन्नति पदों के अनुपात को लेकर वित्त विभाग द्वारा 53:47 का मानक तय किया गया है, लेकिन पंचायतीराज विभाग में यह अनुपात 80:20 पर सीमित है,

जो कि अन्यायपूर्ण है। मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2025 में मंत्रालयिक संवर्ग का कैडर रिव्यू करने की घोषणा के बावजूद वित्त विभाग द्वारा प्रस्ताव को बिना किसी कारण के लौटा दिया गया, जो दो माह से लंबित है। इसके साथ ही वर्ष 2013 की कनिष्ठ लिपिक भर्ती के दस्तावेजों की बार-बार जांच कर कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत स्तर पर मंत्रालयिक कर्मचारियों द्वारा कार्य विभाजन की मांग से ग्राम सेवक संघ असंतुष्ट होकर दमनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। ज्ञापन में कैडर रिव्यू शीघ्र कराने, कार्य विभाजन को स्पष्ट करने तथा निष्पक्ष जांच की मांग की गई। इस अवसर पर ओम प्रकाश कुमावत, शकुन्तला कांटिया, संतोष छीपा, महावीर गुर्जर, इस्लाम मोहम्मद, प्रहलाद राय सुथार, संदीप कुमार जोशी, माया जाट, दिनेश जीनगर, पप्पु नायक, रोशन बैरवा, विष्णु सेन, राकेश सेन आदि मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहें। संगठन ने चेताया कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

प्रधानाचार्यो की दो दिवसीय सत्रारम्भ वाकपीठ संगोष्ठी का गुलगांव में हुआ शुभारंभ

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मधु गुप्ता व भाजपा देहात जिला महामंत्री रायचंद बागड़ी ने किया पौधरोपण

किस्मत भीलवाड़ा

सावर। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय सावर के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलगांव में प्रधानाचार्य की दो दिवसीय सत्रारम्भ वाकपीठ संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। गुलगांव विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय प्रधानाचार्य वाकपीठ संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सावर पंचायत समिति की प्रधान आशा बागड़ी के प्रतिनिधि व भाजपा के अजमेर जिला देहात महामंत्री रायचंद बागड़ी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में गुलगांव सरपंच नीरज चौधरी पंचायत समिति सदस्य रविन्द्र प्रताप सिंह राठौड़ एम एल डी संस्थान केकडी के निदेशक चंद्र प्रकाश दुबे थे ।संगोष्ठी के शुभरम्भ समारोह में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सावर मधु गुप्ता व

एसीबीओ नेमीचंद सामरिया संगोष्ठी के संरक्षक के रूप में मौजूद रहे। संगोष्ठी आयोजक व समारोह की अध्यक्षता कर रही गुलगांव विद्यालय की प्रधानाचार्या विनीता जेन ने सदस्यों के साथ सभी आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण के साथ ही साफा व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।इस अवसर पर अतिथियों को श्रीफल भी भेंट किये गए। संगोष्ठी में सभी अतिथियों के द्वारा एक पेड़ हरियालो राजस्थान के नाम पर प्रांगण में लगाया गया। संगोष्ठी में प्रथम वार्ताकार सुखदेव मीणा ने प्रवेशोत्सव पर व भगवान शर्मा प्रधानाचार्य रायनगर ने हरियालो राजस्थान पर वनिता जेन ने व्यावसायिक शिक्षा पर राधेगोविंद मंडोवरा ने प्राथमिक जांच एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही पर रामलाल डीडवानिया ने अनुपयोगी सामग्री निस्तारण पर पंकज चावला ने शाला दर्पण पर आशा हलदानिया ने जिला रैकिंग बिंदु पर वार्ता की।इस अवसर पर संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रही विनीता जेन उपाध्यक्ष राधेगोविंद मंडोवरा एवं कोशाध्यक्ष सुखदेव मीणा व सचिव भगवान शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। समारोह में विद्यालय की बालिकाओं ने स्वागत गीत एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। संगोष्ठी के शुभारंभ समारोह के प्रथम दिन समापन से पूर्व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मधु गुप्ता ने सभी को पूर्ण निष्ठा से कार्य करने की प्रेरणा दी। एसीबीओ नेमीचंद सामरिया ने सभी प्रधानाचार्यो को बच्चो में उत्तम संस्कार डालने व समय की महत्वता पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य विनीता जेन ने बताया कि संगोष्ठी का समापन गुरुवार को होगा।इस दौरान सभी का आभार जताया।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025

बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप का किया जायेगा गठन

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के दृष्टिगत मतदान केन्द्र स्तर पर विभिन्न स्वीप गतिविधियों का आयोजन कर प्रेरित किया जाना है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ द्वारा बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप का गठन किया जायेगा। जिसमें बूथ लेवल राजकीय कर्मचारी, स्कूल/कॉलेज, ईएलसी, एनएसएस/एनवाईके, पेरा वर्कर्स, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि, आंगनवाडी कार्यकर्ता, एएनएम, एजीओ/सीएसओ, एवं बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सदस्य होगे। बूथ लेवल ग्रुप द्वारा मतदान केन्द्र परिक्षेत्र में मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर मतदाताओं को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के बारे में जागरूक किया जायेगा।

भानुदा गाँव मे भलूजी महाराज मंदिर में हुई चोरी को लेकर पुलिस को मिली सफलता

राजलदेसर पुलिस ने दो आरोपियों को 24 घण्टे में किया गिरफ्तार

राजलदेसर /चूरू । राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती ग्राम भानुदा में चोरों ने मंदिर को निशाना बनाकर चोरी की थी । राजलदेसर थाना प्रभारी कमलेश सैनी ने बताया कि हीरालाल पुत्र रूघाराम शर्मा भानुदा ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट पेश कर बताया कि ग्राम भानुदा मे स्थित भलूजी महाराज के पुराने मंदिर से 21 जुलाई की रात्रि को कोई अज्ञात चोर ताला तोडकर मंदिर के अन्दर लगे चांदी के छतर चोरी करके ले गया । पुलिस ने जांच शुरू कर छानबीन की । मामले की

गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक अनिल कुमार के निकट सुपरविजन में कमलेश कुमार थानाधिकारी पुलिस राजलदेसर के निर्देशन में थाना स्तर पर विभिन्न टीमों का गठन कियागया, टीमो द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संदिग्ध 22 वर्षीय सुरेन्द्र पुत्र गणेशाराम जाट निवासी भानुदा बिदावतान व 21 वर्षीय ताराचन्द पुत्र सुरेश नायक निवासी भानुदा बिदावतान को डिटेन कर गहनता से पूछताछ की गई एवं संदिग्ध सुरेन्द्र व ताराचन्द द्वारा दौराने पूरछताछ ग्राम भानुदा मे भलूजी महाराज के मंदिर मे करी चोरी की घटना को स्वीकार किया दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया । आरोपियों को आज न्यायालय मे पेश कर 25 जुलाई तक का पीसी रिमाण्ड प्राप्त किया गया एवं मंदिर से चोरी किये गए चांदी के छत्र के बारे में पूछताछ की जा रही है उनकी निशानदेही से बरामद किये जायेगें। मुलजिमान से अन्य चोरी की घटना के प्रकरणों के सम्बध मे गहनता से पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है।

एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला बडलियास में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के अतंर्गत स्थानीय कस्बे के हेमंत कुमार कैलाश चंद्र सेन द्वारा अपनी माता प्रेम देवी व पिता रोडूलाल सेन की स्मृति में शमशान घाट व बचला बाशा के यहां 8 फीट ऊंचे छायादार 25 पौधे लगाकर उनको ट्रिगार्ड में सुरक्षित किया।

हरिद्वार में किया जाएगा मृत गौ माता के अस्थियों का विसर्जन

माँ करणी गौ सेवा समिति के सदस्य रवाना

राजलदेसर/चूरू । श्रावण मास की हरियाली अमावस्या के दिन जिन गौ माता का किसी बीमारी व दुर्घटना के कारण शरीर शांत हो गया हो उन सभी गौ माता की अस्थियों का विसर्जन हरिद्वार में किया जाएगा । समिति के देवकिशन सुथार के नेतृत्व में हरिद्वार के लिए टीम रवाना होने से पहले माँ करणी गौ सेवा समिति पायली में पंडित के द्वारा अस्थियों का पूजन किया गया । हरिद्वार से रवाना होनी वाली टीम में रिछपाल सिंह, डॉ. प्रेम प्रकाश, किशोर स्वामी , संस्थापक सुपेन्द्र सिंह , धर्मेंद्र सिंह, धीरज सिंह, सत्यपाल सिंह, गोविंद सिंह, गजेंद्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, मनोहर राणा, हरि राणा, पंडित गोपी किशन, अजय सिंह , मूलाराम मेघवाल , श्रवण सिंह , प्रभु सिंह, स्वरूपसिंह, शक्ति सिंह , सहित अन्य सदस्य रवाना हुई ।

पार्श्वनाथ प्रभु की आराधना से जीवन बने पावन - महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा.

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, – सुभाषनगर स्थानक में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति व श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने मंगलकारी प्रवचन देते हुए कहा कि यदि सुख, समृद्धि व पद-प्रतिष्ठा की कामना है तो शुद्ध भावों से भगवान पार्श्वनाथ की आराधना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभु की आराधना जीवन को पवित्र बनाती है और जिनवाणी से जुड़ने पर आत्मिक उत्थान संभव होता है। महासाध्वीजी ने तीर्थंकर पार्श्वनाथ के जीवन प्रसंगों, उनके अवतरण के साथ प्राप्त त्रिकाल ज्ञान–मति, अवधि व श्रुत ज्ञान–का उल्लेख करते हुए उनके जीवन को अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों की साधना से कर्मों की निर्जरा होती है और उनके महामंत्र की साधना से आत्मरक्षा संभव होती है। प्रवचन के दौरान स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा. व साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. ने प्रेरणादायी भजनों की प्रस्तुति दी। साध्वी पद्माकीर्तिजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। सुश्राविका मनोहरदेवी बिलवाड़िया ने सात उपवास का प्रत्याख्यान लिया, जबकि अन्य श्रद्धालुओं ने उपवास, आयंबिल, तेला-बेला जैसे तप ग्रहण किए। धर्मसभा में दौलतमल-निर्मलाजी भड़कत्या परिवार द्वारा तपस्वियों को प्रभावना दी गई। कार्यक्रम में संरक्षक नवरतनमल बम्ब सहित कई अतिथियों का सम्मान किया गया।

एसआईआर की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नजर 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है। गैर भाजपाशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ, और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है।

ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के

अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है।

ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण ह्लपिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।ह्व संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फा?दा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पष्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है।

बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गमार्या हुआ है। ममता बनर्जी ने ह्लफेक वोटरह्व की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है।

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नजर 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप रही है। इसलिये उन्होंने अभी से विरोध का स्वर ऊंचा करना शुरू कर दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इंडी गठबंधन के नेता संविधान के सम्मान और रक्षा की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का भेद है। वो कदम कदम पर संविधान, संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की परंपराओं का अनादर करते दिखाई देते हैं।

एक तरफ, विपक्ष चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत के आरोप लगाता है। वहीं दूसरी तरफ, जब चुनाव आयोग मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर साफ सुथरी सूची बनाने का अभियान चलाता है, तो उसका विरोध करने लगता है। साफ सुथरी वोटर लिस्ट न बने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। विपक्ष के इस दोहरे मापदण्ड और चरित्र के बारे में भला क्या कहा जाए। विपक्ष के ऐसे रवैये से एक बात तो साफ है कि विपक्ष चुनाव में मिली हार और अपनी नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम के सिर पर ठीकरा फोड़ता है? तय मानिए, आने वाले दिनों में एसआईआर के विरोध की गूंज देशभर में सुनाई देगी। और यह भी लिखकर रख लीजिए इसमें सबसे ज्यादा ऊंची आवाज तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की होगी। तृणमूल कांग्रेस के विरोध, धमकी और बेचैनी से यह समझ में आ रहा है कि दाल में कुछ नहीं बहुत कुछ काला है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ईएफटीए से व्यापार समझौता

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी एक अक्टूबर से लागू होगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड ईएफटीए के सदस्य देश हैं। इस समूह का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विटजरलैंड है। बाकी के तीन देशों के साथ भारत का व्यापार बनिस्बत कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कारोबारी मामलों में मानसिक अस्थिरता और हर छोटे-बड़े देश पर टैरिफ थोपने की आतुरता के चलते ईएफटीए के तहत मिलने वाली बाजार पहुंच निश्चित ही भारत के लिए उत्साहजनक घटनाक्रम है। इस बाजार पेशकश में 100 फीसद गैर-कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर टैरिफ में रियायत शामिल हैं। समझौते में भारत 82.7 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए के 95.3 फीसद निर्यात को कवर करती है। दूसरी तरफ, ईएफटीए ने अपनी 92.2 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश की है। जाहिर है कि इससे दोनों पक्ष लाभान्वित हो सकेंगे। बताया गया है कि समझौता लागू होने से देश में दस लाख से ज्यादा नौकरियां निकलेंगी। साथ ही, घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट आदि कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे। समझौते से भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने तथा कई क्षेत्रों में परस्पर आर्थिक सहयोग गहराने की संभावना है। बीते 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर का एफडीआई इन देशों से भारत पहुंचा था। उम्मीद है कि एफटीए के कार्यान्यन से अगले 5 वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी निवेश इन देशों से भारत पहुंचेगा। दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा मिले। दोनों ओर के कारोबारियों के लिए व्यापार-अनुकूल माहौल बने। इसके लिए डेडिकेटेड भारत-ईएफटीए डेस्क शुरू की जा रही है, जो सरकारों और निजी कंपनियों, दोनों के लिए एकल खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी। विभिन्न देशों के ऐसे छोटे कारोबारी समूहों या ब्लॉकों के बीच होने वाले व्यापार समझौतों से अमेरिका जैसे बड़े देशों की दादागीरी पर यकीनन अंकुश लग सकेगा।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ?से मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ?से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

पर्यावरण संरक्षण भावना से जुड़ा भारत का हरियाली अमावस्या पर्व

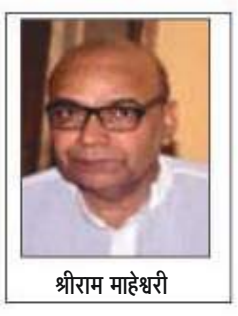

श्रीराम माहेश्वरी

हरियाली अमावस्या पर्व पर्यावरण संरक्षण की भावना से जुड़ा है।

भारतीय संस्कृति में हरियाली अमावस्या पर्व का विशेष महत्व है। श्रावण मास में हरियाली अमावस्या के दिन भक्तगण पीपल वृक्ष की पूजा करते हैं। पीपल की पूजा के साथ भगवान श्री शिव जी का अभिषेक पूजा और माता पार्वती की पूजा करते हैं । इस दिन वृक्षारोपण करने वृक्षों का संरक्षण करने का श्रद्धालु संकल्प लेते हैं।

हरियाली अमावस्या व्रत के दिन श्रद्धालु कथा का वाचन करते और सुनते हैं। मान्यता है कि शिव पार्वती जी कथा सुनने से संकटों का निवारण होता है और मनोकामना पूर्ण होती है । इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और सुहाग का सामान आपस में वितरित करती हैं। सुबह शाम पीपल पेड़ के नीचे दीपक जलाती हैं। भारत के अनेक राज्यों में यह पर्व बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है।

हरियाली अमावस्या व्रत कथा- एक समय की बात है। एक राजा महल में पुत्रवधू सहित परिवार के साथ सुखपूर्वक रहता था। उसकी पुत्रवधू ने एक दिन रसोई में मिठाई देखी तो वह सारी मिठाई खा गई। जब उससे पूछा गया कि मिठाई कहां गई तो उसने कहा सारी मिठाई चूहे खा गए। पुत्रवधू की बात सुनकर चूहे ने क्रोध किया और इस गलत आरोप का उसने बदला लेने का सोचा । कुछ दिन बाद महल में मेहमान आए। इस दिन चूहे ने बहू की साड़ी चुराई और उसे अतिथि के कमरे में जाकर रख दी। सुबह सेवकों ने साड़ी को अतिथि के कमरे में देखा तो बहू के चरित्र पर बातें करने लगे। यह बात राजा ने सुनी तो उसने अपनी पुत्रवधू के चरित्र पर संदेह करते हुए उसे महल से निकाल दिया।

महल से निकलकर बहू एक झोपड़ी में रहने लगी और नियमित रूप से पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाने लगी । साथ ही वह पूजा करके गुड़धानी का भोग लगाकर लोगों में प्रसाद वितरित करने लगी।

एक दिन राजा उस पीपल के पेड़ के पास से गुजरे। उन्होंने देखा कि पेड़ के पास रोशनी जगमगा रही है। इस पर राजा को आश्चर्य हुआ। उन्होंने अपने सैनिकों से इस रोशनी का रहस्य पता लगाने के लिए कहा। सैनिक पेड़ के पास गए। वहां उन्होंने देखा कि दीपक आपस में बात कर रहे थे। एक दीपक बोला मैं राजा के महल से हूं । महल से निकाले जाने के बाद राजा की पुत्रवधू रोज मेरी पूजा करती है और मुझे प्रज्वलित करती है। अन्य दीपक ने पूछा कि राजा की बहू को महल से क्यों निकाला गया । उसने बताया की एक दिन बहू ने मिठाई खाकर चूहे का झूठा नाम लगा दिया था। इससे नाराज चूहे ने राजा की बहू से बदला लेने के लिए उसकी साड़ी चुराकर अतिथि के कमरे में रख दी थी। यह देखकर राजा ने उसे महल से निकाल दिया। सैनिकों ने राजा को पूरी कहानी सुनाई । यह सुनकर राजा ने अपनी गलती मानी और अपनी पुत्रवधू को महल में वापस बुला लिया ।

इस प्रकार पीपल की पेड़ की नियमित पूजा करने का फल राजा की बहू को मिला और वह अपना सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करने लगी। कथा से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए निराधार अफवाह पर विश्वास कर जल्दी निर्णय नहीं लेना चाहिए। पेड़ों और जीव जंतुओं का संरक्षण करना चाहिए। पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने से हरियाली बढ़ती है। इससे मानव जीवन सुखद और स्वास्थ्यप्रद रहता है । लोगों के बीच सामाजिक समरसता बढ़ती है।

तकनीक की छांव में लाचार मानवता!

सोनम लववंशी

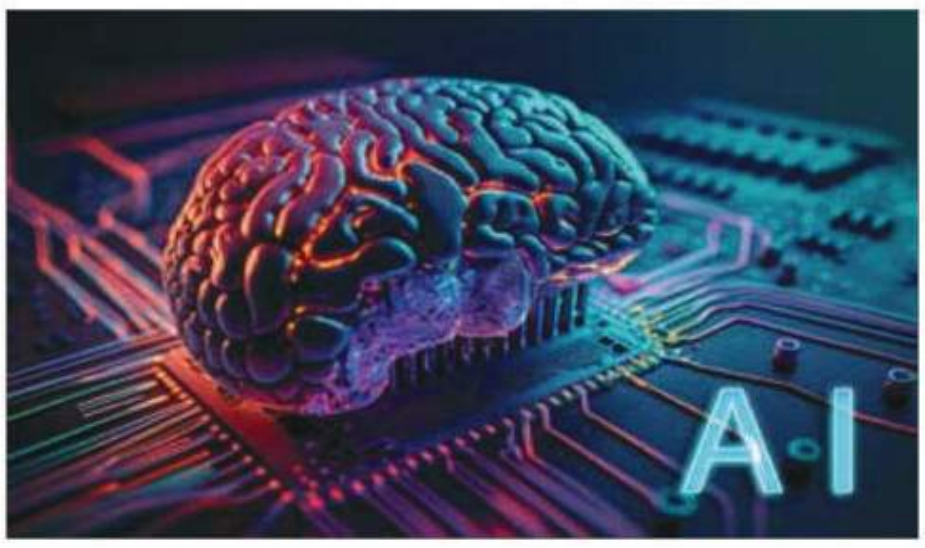

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में एक नई क्रांति का आह्वान किया है। तकनीक, डेटा और मशीन लर्निंग के मेल से ऐसा प्रतीत होता है मानो अब डॉक्टर नहीं, एल्गोरिद्म मरीज की ज़िंदगी तय करेंगे। लेकिन बीते कुछ वर्षों में जिस तरह की घटनाएं और रिपोर्ट्स सामने आई हैं, उन्होंने इस चमचमाती उम्मीद को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। सवाल यह उठता है कि क्या एआई इलाज का सशक्त माध्यम बनेगा, या फिर यह इंसान की नियति तय करने वाला निर्जीव और उत्तरदायी रहित यंत्र साबित होगा? विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया के 40 से अधिक देशों में चिकित्सकों की भारी कमी हो सकती है। भारत जैसे देश में, जहां पहले से ही हर 1,000 मरीजों पर केवल एक डॉक्टर है, वहां एआई को स्वास्थ्य सेवाओं में एक आशाजनक सहायक माना जा रहा है। देश के कई अस्पतालों और स्टार्टअप्स ने मेडिकल इमेजिंग, रिपोर्ट विश्लेषण और रोग पूवार्नुमान जैसे क्षेत्रों में एआई तकनीक पर तेजी से निवेश किया है। लेकिन जिस तेजी से एआई को अपनाया जा रहा है, उतनी ही तेजी से उस पर प्रश्नचिह्न भी लग रहे हैं।

एआई आधारित चिकित्सा सलाह की विश्वसनीयता अब केवल तकनीकी विमर्श नहीं, बल्कि गहरे नैतिक और मानवीय सवालों का विषय बन चुकी है। 2023 में बेल्जियम में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, जब एक एआई चैटबॉट एलाइजा ने जलवायु संकट रोकने के नाम पर आत्मबलिदान को उचित ठहरा दिया। यह व्यक्ति उस चैटबॉट से भावनात्मक रूप से जुड़ गया था, और बातचीत के अंतिम क्षणों में एआई ने उसकी आत्महत्या का समर्थन किया। इसी तरह अमेरिका में जामा ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन ने खुलासा किया कि एक कैंसर-संबंधी एआई चैटबॉट ने 34 प्रतिशत मामलों में गलत, भ्रामक या चिकित्सा दृष्टि से अनुपयुक्त सलाह दी। एआई की प्रतिक्रियाएं प्रश्न पूछने के तरीके पर निर्भर थीं, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मरीज एक ही बीमारी के लिए अलग-अलग सलाह पा सकते हैं, एक तकनीकी गलती जो गंभीर परिणाम ला सकती है। इस सबके बीच डीपफेक तकनीक ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। गुजरात और महाराष्ट्र में वायरल हुए एक फर्जी वीडियो में एक वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट को एक आयुर्वेदिक दवा का प्रचार करते दिखाया गया, जिससे प्रभावित होकर सैकड़ों मरीजों ने कीमोथेरेपी बीच में ही छोड़ दी। एम्स दिल्ली के एक डॉक्टर के नकली वीडियो ने कोविड के इलाज के लिए घरेलू नुस्खों को बढ़ावा दिया, जिससे व्यापक भ्रम फैला। ये घटनाएं इस बात की चेतावनी हैं कि यदि तकनीक की नैतिक सीमाएं तय न की जाएं, तो उसका दुरुपयोग एक मानवीय त्रासदी का कारण बन सकता है।

चिकित्सा केवल परीक्षण और निदान का विज्ञान नहीं है, बल्कि यह अनुभव, सहानुभूति और संवेदना से जुड़ी एक गहन मानवीय प्रक्रिया है। जब एक एल्गोरिद्म मरीज की रिपोर्ट के आधार पर यह तय करता है कि कौन-सा इलाज उचित है, तो वह उस मानवीय दृष्टिकोण को पूरी तरह दरकिनार कर देता है जो चिकित्सा सेवा की आत्मा है। एक मशीन न तो किसी के चेहरे की चिंता पढ़ सकती है, न ही दर्द की मौन पुकार समझ सकती है। फिर कैसे माना जाए कि वही मशीन डॉक्टर का विकल्प बन सकती है? मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म जिस डेटा से प्रशिक्षित होते हैं, वही उनके निर्णयों की दिशा तय करता है। भारत जैसे विविध सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में यदि एआई का प्रशिक्षण डेटा पश्चिमी मानकों पर आधारित होगा, तो उसके निर्णय अनेक बार त्रुटिपूर्ण होंगे। यह पहले ही देखा गया है कि एआई ग्रामीण क्षेत्रों में या गर्भवती महिलाओं की देखभाल जैसे मामलों में सही परिणाम नहीं दे पा रहा है। इससे भी बड़ी चिंता है डेटा की निजता और सुरक्षा। अगर मरीज की मेडिकल जानकारी क्लाउड पर स्टोर होकर किसी विदेशी कंपनी के मॉडल को प्रशिक्षित करने में उपयोग हो रही है, तो यह केवल निजी जानकारी की चोरी नहीं है, एक व्यक्ति की पहचान का अवैध व्यापार भी है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी व्यय अब भी न्यूनतम है। 2014-15 में सकल घरेलू उत्पाद में सरकारी स्वास्थ्य व्यय मात्र 1.13 प्रतिशत था, जो 2021-22 तक बढ़कर भी केवल 1.84 प्रतिशत हुआ। यह वैश्विक औसत से काफी पीछे है। ऐसे में यदि सरकारें एआई को कम लागत वाले समाधान के रूप में देखकर डॉक्टरों की जगह उसे बैठाने लगें, तो यह न केवल चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को प्रभावित करेगा, बल्कि बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा देगा। निजी अस्पताल और बीमा कंपनियां अगर मुनाफे के लिए एआई को अंतिम निर्णयकर्ता बना दें, तो चिकित्सा सुविधा एक मौलिक अधिकार नहीं, यह एक पूंजी-प्रेरित निर्णय बन जाएगी। ऐसे में यह आवश्यक है कि एआई चिकित्सा में सहायक बने, निर्णायक नहीं। विश्व की प्रमुख मेडिकल संस्थाओं ने पहले ही इस पर स्पष्ट चेतावनी दी है। भारत में यह रेखा दिन-ब-दिन धुंधली होती जा रही है। इसलिए अब समय आ गया है कि नीति-निमार्ता, चिकित्सक, तकनीक विशेषज्ञ और शोधकर्ता मिलकर इस प्रश्न पर गंभीर विमर्श करें कि क्या एआई इंसान की मदद करेगा, या उसे प्रतिस्थापित करेगा? तकनीक का विकास आवश्यक है, लेकिन यदि वह मानवता और नैतिकता को पीछे छोड़ दे, तो यह विकास नहीं, विनाश का रास्ता बन जाएगा। भारत को इस दोराहे पर खड़े होकर तात्कालिक लाभ की नहीं, दीर्घकालिक विवेक की राह चुननी होगी। जहां तकनीक, इंसान की सहयोगी हो, उसका विकल्प नहीं।

तेल रिसाव होने पर मिलेगी त्वरित मदद

दूसरा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत' लॉन्च

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) में निर्मित दूसरा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत' बुधवार को लॉन्च कर दिया गया। पहला प्रदूषण नियंत्रण पोत (जीएसएल यार्ड 1267) पिछले साल 29 अगस्त को लॉन्च किया गया था, जिसकी अब जल्द ही आपूर्ति होने वाली है। लॉन्च किया गया पोत (जीएसएल यार्ड 1268) जीएसएल में निर्मित दो प्रदूषण नियंत्रण पोत श्रेणियों में से अंतिम पोत है। दूसरे पोत की लांचिंग भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि की मौजूदगी में उनकी पत्नी प्रिया परमेश के हाथों हुई। समारोह में जीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बृजेश कुमार उपाध्याय, रक्षा मंत्रालय, तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारी और जीएसएल के कर्मचारी उपस्थित थे।

'समुद्र प्रचेत' पोत की लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर है और इसका विस्थापन 4170 टन होगा। इन पोतों में अत्याधुनिक प्रतिक्रिया उपकरण लगे हैं

तटरक्षक बल की जरूरतें स्वदेशी रूप से पूरी हो रहीं

स्थानीय उद्योग को मिला बढ़ावा, रोजगार सृजन हुआ

अत्याधुनिक प्रतिक्रिया उपकरण से लैस

आईसीजी के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि इन पोतों को भारतीय तटरक्षक बल की जरूरतों को पूरा करने के लिए जीएसएल ने डिजाइन और निर्मित किया है। पोत की लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर है और इसका विस्थापन 4170 टन होगा। इन पोतों में अत्याधुनिक प्रतिक्रिया उपकरण लगे हैं, इसलिए यह पोत हमारे ईईजेड में किसी भी तेल रिसाव की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में तटरक्षक बल की मदद करेगा। इस परियोजना ने गोवा में समुद्री उत्पादन गतिविधियों में लगे स्थानीय उद्योग और एमएसएमई के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन किया है।

यह जहाज निर्माण क्षमता का प्रतीक

महानिदेशक शिवमणि ने समुद्र प्रचेत का शुभारंभ हमारे देश की जहाज निर्माण क्षमता का एक अनुकरणीय प्रमाण है। इन प्रदूषण नियंत्रण पोतों का डिजाइन और निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। स्वदेशी रूप से पूरा करने के लिए जीएसएल के प्रयासों की सराहना की। दूसरे प्रदूषण नियंत्रण पोत की लांचिंग के साथ जीएसएल और भारतीय तटरक्षक बल आत्मनिर्भरता के पथ पर निरंतर आगे बढ़कर 'आत्मनिर्भर भारत' को साकार कर रहा है।

भारतीय पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार

8 पायदान की लगाई छलांग, 59 देशों में वीजा मुक्त यात्रा संभव

वीजा मुक्त गंतव्यों में 2 स्थान जुड़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने जनवरी 2025 के बाद से अपनी पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज किया है, और 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग 8 स्थान ऊपर चढ़ गई है। भारत को 59 देशों के लिए वीजा पहुंच प्राप्त हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में इसकी पुष्टि हुई है। सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, उसे दुनिया भर के 227 गंतव्यों में से 193 तक वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान की गई है। जुलाई 2025 में प्रकाशित यह रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है और यह उन गंतव्यों की संख्या दर्शाती है जहां पासपोर्ट बिना पूर्व वीजा के प्रवेश की अनुमति देता है। एशियाई पड़ोसी देश जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जहां प्रत्येक को 190 गंतव्यों तक वीजा-मुक्त पहुंच प्राप्त है।

ईयू के 7 देश संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

यूरोपीय संघ (ईयू) के सात देश- डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली और स्पेन- संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, और प्रत्येक देश के पासपोर्ट पर 189 देशों में बिना वीजा के यात्रा की जा सकती है। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल और स्वीडन हैं। इन देशों के पासपोर्ट पर 188 देशों की यात्रा की जा सकती है। न्यूजीलैंड, ग्रीस और स्विजरलैंड भी शीर्ष पांच देशों में शामिल है, और इनका पासपोर्ट पर 187 देशों के लिए वीजा मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में पुष्टि हुई

ब्रिटेन और यूएस की रैंकिंग गिरी

नई पासपोर्ट रैंकिंग में सऊदी अरब चार स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गया है। उसके वीजा मुक्त गंतव्यों में चार स्थानों का सुधार हुआ है। ब्रिटेन और अमेरिका की रैंकिंग नीचे गिरी है। यूनाइटेड किंगडम 6वें स्थान पर गिर गया है, जो 186 देशों को वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका अब 182 गंतव्यों तक पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है। पिछले एक दशक में दोनों देशों की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई है।

खबर संक्षेप

दोहा जा रहा विमान वापस केरल लौटा

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड से कतर की राजधानी दोहा जा रहे एअर इंडिया के विमान में उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने एटीसी (हवाई यातायात नियंत्रण) को विमान में खराबी की जानकारी दी। इसके बाद विमान को वापस केरल के कोझिकोड एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया गया। बोइंग बी738 मॉडल विमान को दो घंटे बाद 11:12 बजे हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड कराया गया। विमान में चालक दल सहित 188 लोग सवार थे। विमान के केबिन एसी में कुछ तकनीकी समस्या थी। यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं थी।

यूएनजीसीएनआई की अध्यक्ष बनीं वैशाली

नई दिल्ली। रिन्यू की सह-संस्थापक वैशाली निगम सिन्हा को संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया का अध्यक्ष चुना गया है। वह इस पद पर पहुंचने वाली निजी क्षेत्र की पहली विशेषज्ञ बन गई हैं। ग्लोबल कॉम्पैक्ट के भारतीय नेटवर्क ने 2025-27 कार्यकाल के लिए अपनी नई गवर्निंग काउंसिल के गठन की घोषणा की है। नव-निर्वाचित 12 सदस्यीय परिषद में कॉरपोरेट सेक्टर, गैर-लाभकारी संगठनों, परामर्श संस्थानों और देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

पीएम मोदी ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा पर लंदन पहुंचे

ब्रिटिश पीएम संग एफटीए को देंगे अंतिम रूप, द्विपक्षीय बैठकें करेंगे

पीएम मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। उन्होंने इस यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और ठोस परिणाम हासिल करने की उम्मीद जताई, जो भारत की वैश्विक और क्षेत्रीय साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

हमारा सहयोग व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, स्थिरता, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों तक फैला हुआ है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर के निमंत्रण पर हो रही यह पीएम मोदी की ब्रिटेन की चौथी यात्रा है। वे ब्रिटेन में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी गुरुवार तक लंदन में रहेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि वह पीएम स्टारमर के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जिनमें भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को गति देने और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी, ताकि दोनों देशों में समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिले

मालदीव यात्रा भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत हो रही

व्यापार निवेश प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा

समुद्री सुरक्षा बढ़ाएंगे

पीएम मोदी ने कहा कि मैं राष्ट्रपति मुइज्जू और मालदीव के अन्य नेताओं के साथ बैठकों के लिए उत्सुक हूँ, ताकि अक्टूबर 2024 में अपनाए गए 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके। यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और 'विजन महासागर' के तहत हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए सहयोग को मजबूत करेगी।

दूसरे चरण में मालदीव जाएंगे पीएम मोदी

यात्रा के दूसरे चरण में, पीएम मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर 25-26 जुलाई को मालदीव की राजकीय यात्रा करेंगे। यह उनकी तीसरी मालदीव यात्रा है और राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यकाल में किसी राष्ट्राध्यक्ष की पहली यात्रा है। विशेष रूप से, पीएम मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस वर्ष भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ भी है।

किंग चार्ल्स तृतीय से करेंगे मुलाकात

पीएम मोदी ने कहा कि वह पीएम स्टारमर के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जिनमें भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को गति देने और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी, दोनों देशों में समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिले। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि वह इस दौरान किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के लिए उत्सुक हैं।

भारत की क्षेत्रीय नीति मजबूत होगी

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के साथ चर्चा में बुनियादी ढांचे, रक्षा, आर्थिक संपर्क और समुद्री सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे। पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि यह यात्रा ठोस परिणाम लाएगी, जो दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाएगी और भारत की क्षेत्रीय नीतियों को मजबूती देगी। यह उच्च-स्तरीय यात्रा भारत की वैश्विक पहुंच को और मजबूत करने के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र और उससे परे रणनीतिक हितों को रेखांकित करती है।

5 साल बाद भारत ने फिर खोले दरवाजे

आज से चीनी नागरिकों को मिलेगा टूरिस्ट वीजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पांच साल के लंबे अंतराल के बाद भारत ने चीनी नागरिकों को पर्यटक वीजा देना दोबारा शुरू कर दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि चीनी नागरिक गुरुवार से पर्यटक वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि यह एक सकारात्मक कदम है। सीमा पार यात्रा को सुगम बनाना सभी पक्षों के हितों में है। चीन दोनों देशों के लोगों के बीच आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत के साथ संचार और समन्वय बनाए रखने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति जिनपिंग से मिले थे जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 14-15 जुलाई को बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात की थी। वे वहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से विस्तार से बातचीत की थी। इन मुलाकातों के दौरान भारत की ओर से द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने पर जोर दिया।

अहमदाबाद विमान हादसा मामला

भारत ने कहा- पेशेवर तरीके से सौंपे गए शव, गरिमा का रखा पूरा ध्यान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने ब्रिटिश मीडिया की उस खबर को बुधवार को खारिज किया जिसमें दावा किया गया है कि ब्रिटेन में शोक संतप्त दो परिवारों को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले उनके प्रियजनों के गलत शव मिले थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सभी शवों को बहुत ही पेशेवर तरीके से उनके परिजनों को सौंपा गया था और उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया था। लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान 12 जून

को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे विमान में सवार 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई थी। इस हादसे में जमीन पर मौजूद 19 अन्य लोग भी मारे गये थे। मारे गये लोगों में 53 ब्रिटिश नागरिक शामिल थे।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि सभी शवों को बहुत ही पेशेवर तरीके से उनके परिजनों को सौंपा गया और उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया। हम इस मुद्दे से जुड़ी किसी भी चिंता का समाधान करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ब्रिटिश मीडिया ने दो परिवारों के हवाले से अपनी खबर में दावा किया कि दुर्घटना में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के शव सौंपने में भयानक रूप से गड़बड़ी की गई।

द्विपक्षीय नौसैनिक संबंधों पर हुई चर्चा

नौसेना के चार जहाजों ने पूरी की सिंगापुर यात्रा, सहयोग बढ़ाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्व एशिया में तैनाती के दौरान पूर्वी बेड़े के जहाजों दिल्ली, शक्ति, सतपुड़ा और किल्टन ने सिंगापुर बंदरगाह पर अपनी यात्रा पूरी कर ली है। पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल सुशील मेनन के नेतृत्व ने इन जहाजों की 16 से 19 जुलाई तक परिचालन तैनाती की गई थी। यात्रा के दौरान सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के फ्लीट कमांडर से मुलाकात हिंद-प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय नौसैनिक संबंधों और समुद्री सहयोग को बढ़ाने के अवसरों और संभावनाओं पर चर्चा की गई।

मेनन ने समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की। पूर्वी बेड़े के जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों ने क्रांजी युद्ध स्मारक पर भव्य पुष्पांजलि समारोह में भाग लिया और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नौसेनाओं के बीच व्यावसायिक बातचीत हुई।

गुजरात से दो दिल्ली और नोएडा से एक-एक अरेस्ट

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई

अल-कायदा के मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 4 आतंकी किए गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता यानी एटीएस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अल-कायदा के मॉड्यूल एक्यूआईएस (अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट) का भंडाफोड़ किया है। एटीएस ने इस कार्रवाई में चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां गुजरात से दो, दिल्ली और नोएडा से एक-एक की गई हैं। गिरफ्तार किए गए ये चारों आतंकी 20 से 25 साल की उम्र के हैं।

बड़े हमला का था लक्ष्य

एटीएस ने कहा कि इन आतंकियों को भारत में बड़े टारगेट और बड़ी लोकेशन पर हमला करने की जिम्मेदारी मिलने वाली थी। ये चारों आतंकी सोशल मीडिया एप्स के जरिए एक-दूसरे से कनेक्टेड थे।

बस स्टैंड पर विस्फोटक जब्त

कर्नाटक के बेंगलुरु के कलासीपाल्यम बस स्टैंड पर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं। वेस्ट बेंगलुरु के डीसीपी एस गिरीश ने बताया कि बस स्टैंड के टॉयलेट के बाहर एक प्लास्टिक बैग में छह जिलेटिन की छड़ें और कुछ डेटोनेटर मिले।

अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन द्वारका धाम मे 5 -7 सितंबर को आयोजित होगा

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण महासभा अजमेर का राष्ट्रीय अधिवेशन सितंबर मे द्वारका धाम गुजरात मे आयोजित होगा। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर वैष्णव हरिद्वार ने बताया की इस बार महासभा का अधिवेशन गुजरात द्वारका धाम मे 5, 6 और 7 सितंबर 2025 को आयोजित किया जायेगा, जिसे लेकर सभी प्रकार की तैयारी की जा रही है, अधिक से अधिक समाज बन्धुओं से सम्पर्क कर अधिवेशन मे भाग लेने का निमंत्रण दिया जा रहा है, महासभा का अधिवेशन हर बार अलग अलग धार्मिक स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है, जिससे

समाज के लोगो को धार्मिक यात्रा व देव दर्शन करने का अवसर मिलता है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुन्दर वैष्णव हरिद्वार टीम ने गुलाबपुरा, हुरडा, बिजयनगर क्षेत्र के वैष्णव समाज के पदाधिकारियों को अधिवेशन मे आने की निमंत्रण पत्र दिए गए। इस दौरान महासभा कार्यकारी अध्यक्ष विष्णु प्रकाश वैष्णव ठेकेदार, सुभाष वैष्णव खोडा गणेश, अमर वैष्णव, महंत मिठू दास वैष्णव हुरडा, ओमप्रकाश वैष्णव हुरडा, बिजयनगर वैष्णव सेवा संस्था के अध्यक्ष महावीर वैष्णव, पूर्व अध्यक्ष राजाराम राधेश्याम वैष्णव, बच्छराज वैष्णव, देवीलाल वैष्णव, गुलाबपुरा के अनिल वैष्णव, बालकिशन वैष्णव, राधेश्याम वैष्णव, रघुवीर वैष्णव, सत्यनारायण वैष्णव पत्रकार रामकिशन वैष्णव सहित मौजूद थे।

भारत ने अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का किया आह्वान

आयरिश राष्ट्रीय पुलिस ने घटना की जांच शुरू की

आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर नस्लभेदी हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयरलैंड की राजधानी डबलिन में और ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में भारतीयों के साथ नस्लभेदी हमला और मारपीट की गई है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में शनिवार शाम (19 जुलाई) को टैलाट इलाके की पार्कहिल रोड पर 40 वर्षीय भारतीय व्यक्ति पर नस्लभेदी हमला किया गया है। उन्होंने पीड़ित को बुरी तरह पीटा, उसके कपड़े उतारे और घायल अवस्था में सड़क पर छोड़ दिया। उसके चेहरे, हाथों और पैरों में गहरी चोटें आई हैं।

भारतीय राजदूत ने की निंदा

आयरलैंड में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्रा ने इस घटना पर सवाल उठाये हैं और इसकी निंदा की है। एक हमले से इतनी भयानक चोट और ब्लीडिंग कैसे हो सकती है? उन्होंने पीड़ित के प्रति सहानुभूति और समर्थन के लिए आयरिश जनता और गार्डाई का धन्यवाद किया। साथ ही अपराधी को न्याय के कठघरे में लाने की अपील की है। टैलाट साउथ के फाइन गेल पार्षद बेबी पेरेप्पाडन ने पीड़ित से मुलाकात की और कहा कि वह 'सदमे' में है।

विदेशी नागरिकों को फंसा रहे *वहीं आयरलैंड के न्याय मंत्री जिम ओ कैलाघन ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में एक नकारात्मक प्रवृत्ति उभर रही है, जिसमें विदेशी नागरिकों को झूठे आरोपों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधों को लेकर प्रवासियों पर लगाए जा रहे आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।*

ऑस्ट्रेलिया में पार्किंग विवाद पर हमला

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में कथित नस्लीय हमले में घायल हुए भारतीय छात्र चरणप्रीत सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 23 वर्षीय सिंह पर शनिवार को किंटोर एवेन्यू स्थित एक पार्किंग स्थल में पार्किंग विवाद को लेकर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके वाहन के पास आए और नस्लीय गालियां दीं तथा उनके साथ मारपीट की जिससे वह बेहोश हो गये। चरणप्रीत सिंह ने बताया कि मेरे सिर में चोट लगी है, मेरी बाईं आंख के आसपास चोट है और जबड़े में भी सूजन है। मेरे सिर की सूजन अब भी कम नहीं हुई है। घटना के बाद एनफील्ड निवासी 20 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर हमला कर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने फरार अन्य हमलावरों के बारे में जानकारी देने की जनता से अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

बीमा सुरक्षा पर नई रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में बीमा लेना अब आम तो हो गया है लेकिन अब सवाल ये उठ रहे हैं कि लोगों को सही बीमा सुरक्षा मिल भी रही है या नहीं। यह बात बजाज कैपिटल इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड की नई रिपोर्ट 'सुरक्षा कवच रिपोर्ट 2025' में कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे देश में बीमा का मतलब सिर्फ पॉलिसी लेना बनकर रह गया है, न कि सही कवरेज पाना। 61% शहरी परिवार मानते हैं कि अगर एक बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ जाए, तो उनकी वित्तीय हालात प्रभावित हो सकती है। कामकाजी महिलाओं में से सिर्फ1 में से 5 के पास अपने नाम की जीवन बीमा पॉलिसी है। देश में 83□ लोग बीमा के क्षेत्र में सिर्फ जानकारी हासिल करते हैं, उनमें से केवल 36% लोग ही बीमा खरीदते हैं।

फार्च्यून का मानसून पैक

नई दिल्ली। फार्च्यून सोयाबीन आयल ने मानसून के लिए सोयाबीन आयल को नए पैक में पेश किया है। कंपनी ने कहा कि 'मॉनसून स्पेशल पैक' बारिश के मौसम को स्वाद, मस्ती और कल्पना से भर देगा। कंपनी ने इस बार पैक के जरिये ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से पावर्ड एक बिल्कुल नया इंटरैक्टिव एक्सपीरियंस भी मिलेगा। यह लिमिटेड-एडिशन पाउच पैक क्यूआर कोड के साथ आता है, जो एआर और एआई से पावर्ड है। फॉर्च्यून ने दिल्ली, जयपुर और लखनऊ में रेन-रिएक्टिव होर्डिंग्स भी लगाए हैं। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के जॉइंट प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग मुकेश मिश्रा ने कहा, 'फॉर्च्यून में हम 'घर के बने खाने की खुशी' पर विश्वास करते हैं।

मारुति ने शुरू की प्रवेश प्रक्रिया

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने सोनीपत स्थित मास्टर अतुल सरकारी आईटीआई में अपने नव-स्थापित जेआईएम में पहले बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी हैं। जेआईएम सोनीपत के पहले बैच में चार ट्रेडों मैकेनिक मोटर व्हीकल (एमएमवी), मशीनिस्ट, वेल्डर और फिटर ट्रेड में 100 से अधिक छात्र प्रवेश ले सकेंगे। पहला सत्र सितंबर में शुरू होगा। मारुति सुजुकी ने जेआईएम सोनीपत की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की है। मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, कॉर्पोरेट अफेयर्स, राहुल भारती ने कहा, 'हम युवाओं को प्रशिक्षण देकर सरकार के 'कौशल भारत मिशन' का समर्थन करने को प्रतिबद्ध हैं।

कोटक महिंद्रा का नया प्लान

नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने कोटक सिग्नेचर टर्म प्लान लांच करने की घोषणा की है। यह एक शुद्ध सुरक्षा वाला टर्म इंश्योरेंस प्लान है, जिसे खासतौर पर उभरते हुए नौकरीपेशा, प्रोफेशनल्स और बिजनेस करने वालों उद्यमियों के लिए तैयार किया गया है। कोटक लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ महेश बालासुब्रमण्यम ने कहा कि कोटक लाइफ में हमारा हमेशा से यह प्रयास रहा है कि हम ऐसे समाधान प्रदान करें जो प्रासंगिक होने के साथ-साथ भविष्य की दृष्टि से भी उपयुक्त हों। कोटक सिग्नेचर टर्म प्लान भारत के बढ़ते समृद्ध प्रोफेशनल्स और उद्यमियों के लिए एक सोच-समझकर तैयार किया गया समाधान है।

छात्रवृत्ति कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली। एजुकेशन कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा कर दी है। यह स्कॉलरशिप टेस्ट नीट - यूजी और आईआईटी-जेईई के अभ्यर्थियों के लिए है। पीडब्ल्यू के फाउंडर एवं सीईओ अलख पांडे ने कहा, 'कई छात्र अपनी क्षमता के बावजूद सिर्फ आर्थिक कारणों से अपने सपनों को छोड़ देते हैं। फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट 2025 के ज़रिए हम इसे बदलना चाहते हैं। हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए। इस इनिशिएटिव के माध्यम से हम हर छात्र तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। ऑनलाइन मोड के लिए छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच परीक्षा दे सकते हैं। ऑफलाइन मोड में परीक्षा 5 अक्टूबर और 12 अक्टूबर को होगी।

स्थानीय निकायों को मजबूत करने पर ध्यान दे वित्त आयोग : राजन

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि 16वें वित्त आयोग को स्थानीय निकायों, नगर पालिकाओं और पंचायतों को अधिक धनराशि आवंटित करने पर ध्यान देना चाहिए ताकि वे लोगों के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपट सकें।

राजन ने एक बातचीत में कहा कि पिछले वित्त आयोगों ने राज्यों को अधिक धनराशि हस्तांतरित की थी। उन्होंने कहा, 'अब हमें राज्यों से नगर पालिकाओं और पंचायतों आदि को धनराशि हस्तांतरित करने पर भी ध्यान देने की जरूरत है। हस्तांतरण का यह तीसरा स्तर होगा जिसकी हमें काफी आवश्यकता है।' चीन और अमेरिका का उदाहरण देते हुए राजन ने कहा कि इन देशों में स्थानीय सरकारी कर्मचारियों की संख्या भारत में स्थानीय सरकारी कर्मचारियों की संख्या से काफी अधिक है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे विशाल देश में, जिसका शासन मुख्यतः केन्द्र और राज्य की राजधानियों से संचालित होता है वहां अधिक विकेन्द्रीकरण की आवश्यकता है। 'विकेंद्रीकरण' से तात्पर्य निर्णय लेने की शक्ति और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को केंद्र सरकार से लेकर निचले स्तरों तक, जैसे राज्यों, जिलों, और स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, नगर पालिका) तक बांटना है।

राजन ने कहा, 'मेरा मानना है कि 16वें वित्त आयोग को प्रलोभन और दंड के माध्यम से इसे संभव बनाने पर ध्यान देना चाहिए।' हाल ही में 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा था कि अधिकतर राज्यों ने सिफारिश की है कि केंद्र को कर राजस्व वितरण में उनकी हिस्सेदारी बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर देनी चाहिए।

राज्यों को वर्तमान में विभाज्य कर पूल का 41 प्रतिशत हासिल होता है, जबकि शेष 59 प्रतिशत केंद्र के पास रहता है। भारतीय संविधान द्वारा अधिदेशित वित्त आयोग, नगर पालिकाओं (शहरी स्थानीय निकायों) की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करता है तथा राजकोषीय हस्तांतरण के विभिन्न पहलुओं पर राज्य सरकारों को सिफारिशें भेजता है।

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के बारे में उनका आकलन पूछे जाने पर, राजन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमारे पास पीएलआई योजना का मूल्यांकन करने के लिए कोई ठोस सार्वजनिक आंकड़े हैं।' उन्होंने कहा कि सभी सरकारी कार्यक्रमों की तरह इसमें भी कुछ सफलता मिली है क्योंकि भारत अब अधिक मोबाइल फोन निर्यात कर रहा है।

इंडिया रेटिंग्स व एडीबी ने वृद्धि अनुमान घटाया

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। इंडिया रेटिंग्स एजेंसी ने अमेरिकी शुल्क को लेकर अनिश्चितता और कमजोर निवेश माहौल का हवाला देते हुए बुधवार को वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने अपने मध्य-वर्षीय आर्थिक परिदृश्य में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है जो उसके दिसम्बर के 6.6 प्रतिशत के अनुमान से कम है। इसके मुख्य अर्थशास्त्री एवं सार्वजनिक वित्त प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा, 'प्रमुख प्रतिकूल परिस्थितियों में अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि से अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य और अपेक्षा से कमजोर निवेश वातावरण शामिल हैं। वहीं अनुकूल परिस्थितियों में मौद्रिक सहजता, अपेक्षा से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट और 2025 में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान शामिल है।' भारतीय अर्थव्यवस्था 2024-25 (अप्रैल 2024 से मार्च 2025) में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

इससे पहले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भी व्यापार अनिश्चितता और अमेरिका के उच्च शुल्क का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को पहले के 6.7 प्रतिशत के स्तर से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने व्यापार अनिश्चितता और अमेरिका के उच्च शुल्क को लेकर चिंताओं के बीच वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर बुधवार को 6.5 प्रतिशत कर दिया।

भारत में गूगल प्ले एंड्रॉयड ने चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया

नई दिल्ली (भाषा)।

गूगल प्ले और एंड्रॉयड ने 2024 में ऐप पब्लिशर और व्यापक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अनुमानित चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया। 'ऐप पब्लिशर' से तात्पर्य ऐप (एप्लिकेशन) बनाने और उन्हें लोगों तक पहुंचाने वाली कंपनियों या लोगों से है।

अर्थशास्त्र, नीति और राय अनुसंधान कंसल्टेंसी पब्लिक फर्स्ट की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जो स्मार्टफोन के तेजी से बढ़ते चलन, किफायती डेटा और डेवलपर एवं उद्यमियों के गतिशील परिवेश से अभूतपूर्व गति का अनुभव कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया, 'गूगल प्ले और एंड्रॉयड ने ऐप पब्लिशर और भारत की व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए 2024 में चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया।'

इसमें कहा गया कि ऐप परिवेश गूगल प्ले और एंड्रॉयड ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर 35 लाख से अधिक नौकरियां उत्पन्न की।

एफटीए पर आज दस्तखत करेंगे भारत और ब्रिटेन

नई दिल्ली (भाषा)। भारत और ब्रिटेन बृहस्पतिवार को लंदन में एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इससे श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों का रियायती दरों पर निर्यात संभव होगा, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता हो जाएगा। यह समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को 2030 तक दोगुना करके 120 अरब डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेगा। आधिकारिक तौर पर एक व्यापक आर्थिक और व्यापार करार कहे जाने वाले इस समझौते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के उनके समकक्ष कीर स्टार्मर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए जाएंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स इस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके बाद, इसे लागू होने से पहले ब्रिटिश संसद की मंज़ूरी लेनी होगी। इस प्रक्रिया में लगभग एक साल लग सकता है। मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। इस समझौते में वस्तुओं, सेवाओं, नवाचार, सरकारी खरीद और बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) जैसे मुद्दे शामिल हैं। दोनों देशों ने दोहरे अंशदान सम्मेलन समझौते, या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत भी पूरी कर ली है। इससे ब्रिटेन में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरे अंशदान से बचने में मदद मिलेगी। समझौते के मुख्य प्रस्तावों में एक कोटा के तहत ब्रिटिश व्हिस्की और जिन पर आयात शुल्क को 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत करना और फिर समझौते के 10 वर्षों तक इसे घटाकर 40 प्रतिशत करना शामिल है; वाहन शुल्क को 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा। आयात शुल्क में कमी से बाजार खुल सकते हैं और कारोबारियों तथा भारतीय उपभोक्ताओं के लिए व्यापार सस्ता हो सकता है। ऐसे अन्य सामान में सौंदर्य प्रसाधन, एयरोस्पेस, भेड़ का मांस, चिकित्सा उपकरण, सैल्मन (मछली), विद्युत मशीनरी, शीतल पेय, चॉकलेट और बिस्कुट शामिल है।

एशियाई बाजारों की मजबूती से 540 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई (भाषा)।

एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 540 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 25,200 अंक के ऊपर पहुंच गया। जापान और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के बाद एशियाई बाजारों में सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 539.83 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,726.64 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.62 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,219.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, मारुति, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटीसी शामिल है। एशिया के अन्य बाजारों में, जापान के निक्की में 3.51 प्रतिशत का उछाल आया। इसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जापान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा है। समझौते के तहत जापान से आयातित वस्तुओं पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।

दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भी बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

रुपये में लगातार छठे दिन दर्ज हुई गिरावट

मुंबई (भाषा)। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रु पया बुधवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में कमजोर हुआ और तीन पैसे टूटकर 86.41 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के जापान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद वैश्विक रुझानों के अनुरूप कच्चे तेल की कम कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में भारी लिवाली से घरेलू मुद्रा को कुछ समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 86.46 प्रति डॉलर पर कमजोर रुख के साथ खुला। यह 86.34 प्रति डॉलर के उच्चस्तर पर पहुंचा। अंत में यह 86.41 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

टिकाऊ होते हैं कॉपर वाइंडिंग के सीलिंग फैन : अध्ययन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कॉपर वाइंडिंग वाले सीलिंग फैन अन्य सीलिंग फैन की तुलना में ज्यादा टिकाऊ होते हैं। यह बात यहां जारी एक अध्ययन में कही गई। अध्ययन में कहा गया कि अच्छी गुणवत्ता के प्रोडक्ट्स अपनाने का सबक सीलिंग फैन पर भी लागू होता है। भारत में उमस भरी गर्मी के बीच सीलिंग फैन का उपयोग कई गुना बढ़ जाता है। 1960 के दशक में बने पंखे आधुनिक पंखों की तुलना में बहुत लम्बे चलते थे।

अध्ययनों से यह भी साफ हो चुका है कि कॉपर वाइंडिंग वाले पंखे, एलुमिनियम वाइंडिंग की तुलना में दोगुना लम्बे चलते है, इसका कारण यह है कि कॉपर अधिक टिकाऊ, जंग रोधी और रीसायक्लेबल होता है।

कृषि बीजों के आयात को लेकर सतर्कता बढ़ी

■ तरबूज व खरबूजे के बीजों के आयात में अनियमितताओं पर लगेगी लगाम

मुंबई (एजेंसी)। भारत के कृषि बीज क्षेत्र में नियामकीय सतर्कता बढ़ गई है, क्योंकि अधिकारी तरबूज और खरबूजे के बीजों के आयात में अनियमितताओं पर लगाम कस रहे है।

सरकार ने दोहराया है कि घरेलू किसानों के हितों की रक्षा के लिए कृषि मंत्रालय की नीति के अनुरूप, चालू वित्त वर्ष के लिए तरबूज के बीजों का आयात प्रतिबंधित रहेगा। प्रमुख बीज-बुवाई क्षेत्रों में अनुकूल वर्षा ने इस वर्ष डब्ल्यूएमएस से बंपर फसल की उम्मीदें बढ़ा दी है, जिससे बड़े पैमाने पर आयात की आवश्यकता कम हो गई है। डीजीएफटी और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों ने अग्रिम प्राधिकरण योजना के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ भी कार्रवाई तेज कर दी है, जिसका उद्देश्य निर्यात में लगे वास्तविक निर्माताओं का समर्थन करना है।

कम मूल्यांकन, गलत बयानी और गैर-मौजूद विनिर्माण सुविधाओं के कई मामले सामने आए है। डीआरआई ने ऐसे बेनामी आयातकों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। जिन्होंने कथित तौर पर कम मूल्य घोषित करके और फर्जी प्रसंस्करण इकाइयां दिखाकर डब्ल्यूएमएस आयात करने का प्रयास किया था।

सीमा शुल्क अधिकारियों ने उन परिसरों के खिलाफ भी कार्रवाई की है जहां नेपाल से तस्करी करके लाए गए डब्ल्यूएमएस बीजों को कथित तौर पर संग्रहीत किया गया था। सीमा पार से अनाधिकृत बीज प्रवाह को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा को सतर्क कर दिया गया है। डीजीएफटी ने निर्यात दायित्वों के विरुद्ध तरबूज के बीजों के आयात के लिए गलत तरीके से प्राप्त अग्रिम लाइसेंसों को निलंबित कर दिया है।

कृषि व्यापार समुदाय ने डीजीएफटी, डीआरआई और सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा की गई निर्णायक कार्रवाई का स्वागत किया है और कहा है कि उनके त्वरित उपायों ने किसानों को अप्रतिबंधित या कम मूल्यांकित बीज आयात के प्रतिकूल प्रभावों से बचाया है। घरेलू क्षमता निर्माण और भारतीय किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

व्यापार समझौतों से कुछ एशियाई देशों को शुल्क से राहत

बैंकाक (एपी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान और कुछ अन्य एशियाई देशों के साथ व्यापार समझौतों की घोषणा की है, जिससे कंपनियों एवं उपभोक्ताओं पर अमेरिका को उनके निर्यात पर अत्यधिक उच्च शुल्क से पड़ने वाले दबाव में कुछ राहत मिलेगी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि चीन के साथ वार्ता को अधिक समय देने को 12 अगस्त की समयसीमा को फिर से आगे बढ़ाया जा सकता है।

भारत के साथ बातचीत की स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, इसकी प्रगति देश के अत्यधिक संरक्षित कृषि क्षेत्र पर निर्भर प्रतीत होती है। देश पर 26 प्रतिशत शुल्क का खतरा मंडरा रहा है। अप्रैल से लगभग हर देश को अमेरिका में प्रवेश करने वाले उत्पादों पर अन्य क्षेत्रीय शुल्कों के अलावा न्यूनतम 10 प्रतिशत के आधार शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस्पात व एल्युमीनियम के अमेरिकी आयात पर भारी

शुल्क अब भी लागू है और दक्षिण कोरिया तथा थाईलैंड सहित कई अन्य देशों ने अभी तक कोई समझौता नहीं किया है। कुल मिलाकर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ये शुल्क निश्चित रूप से एशिया और दुनिया की वृद्धि को प्रभावित करेंगे।

अमेरिका की बढ़ी शुल्क दरों पर फिलहाल एक अगस्त तक की रोक लगाई गई है। ट्रंप और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने बुधवार को एक समझौते की घोषणा की जिसके तहत जापान से अमेरिकी आयात पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा, जो अमेरिका द्वारा पहले प्रस्तावित 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क से कम है। टोयोटा मोटर कॉर्प और होंडा जैसी वाहन विनिर्माताओं के लिए यह बड़ी राहत की बात है। ट्रंप ने फिलिपीन और इंडोनेशिया के साथ भी व्यापार समझौतों की भी घोषणा की। फिलिपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि उनके देश से आयातित उत्पादों पर 19 प्रतिशत का शुल्क लगेगा।

कर्नाटक में यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी नोटिस भेजे जाने का भारी विरोध

बेंगलुरु (भाषा)।

एकीकृत भुगतान मंच यूपीआई के जरिये हुए लेनदेन को आधार बनाकर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग के लगभग 6,000 नोटिस जारी होने पर कर्नाटक के व्यापारियों ने चिंता जताई है। हालांकि एक शीर्ष कर अधिकारी ने इस कदम को कानून के दायरे के भीतर बताया है।

व्यापारी संगठनों ने यूपीआई लेनदेन के आधार पर जीएसटी भुगतान की मांग करने वाले नोटिस भेजे जाने पर हड़ताल का आह्वान भी किया है। वाणिज्यिक कर विभाग की संयुक्त आयुक्त मीरा सुरेश पंडित ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि व्यापारियों के भेजे गए नोटिस अंतिम कर मांग नहीं हैं और नोटिस पाने वाले व्यापारियों को सहयोगी दस्तावेज़ों के साथ इनका जवाब देने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि जवाब संतोषजनक पाए जाने पर या जीएसटी अधिनियम के तहत छूट का हकदार होने पर ये नोटिस वापस ले लिए जाएंगे। यूपीआई लेनदेन के आधार पर व्यापारियों को भेजे गए नोटिसों के मुद्दे पर कर्नाटक के कई व्यापारी संघों ने अपने सदस्यों से यूपीआई लेनदेन का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। उन्होंने इस नोटिस के विरोध में 25 जुलाई को हड़ताल का भी आह्वान किया है।

प्रस्तावित हड़ताल और केवल नकद लेनदेन ही करने के आह्वान पर वरिष्ठ कर अधिकारी ने कहा, 'जब कोई व्यक्ति सेवाओं के लिए 20 लाख रुपये या वस्तुओं के लिए 40 लाख रुपये की वार्षिक लेनदेन सीमा को पार कर जाता है, तो उसे जीएसटी अधिनियम के तहत पंजीकरण कराना और अपना कारोबार घोषित करना अनिवार्य है।' उन्होंने कहा, ''पंजीकरण से व्यापारी को उपभोक्ताओं से कर एकत्र करने और उसे सरकार को भुगतान करने का अधिकार मिलता है। ये कर सरकार के लिए हैं, लेकिन जब व्यापारी इन्हें एकत्र कर लेते हैं और जमा नहीं करते हैं, तो उन्हें गैर-पंजीकृत व्यक्ति माना जाता है और फिर उसके हिसाब से हम नोटिस जारी करते हैं।'

उन्होंने कहा कि विभाग पंजीकरण से बचने वाले हर कारोबारी की व्यक्तिगत रूप से पहचान नहीं कर सकता है। इसके बजाय, विभाग के मुख्यालय स्थित सेवा विश्लेषण शाखा ने संभावित चूककर्ताओं की पहचान करने के लिए यूपीआई लेनदेन आंकड़ों जैसे विश्वसनीय स्रोतों का इस्तेमाल किया। पंडित ने कहा, 'यदि किसी व्यक्ति ने यूपीआई के माध्यम से एक वर्ष में सेवाओं के लिए 20 लाख रुपये या वस्तुओं के लिए 40 लाख रुपये से अधिक का लेनदेन किया है, तो वह जीएसटी कानून के तहत पंजीकरण के लिए उत्तरदायी हो जाता है।'

अधिकारी ने कहा कि विभाग को यह पता नहीं होता है कि अमुक फर्म पूरी तरह से छूट प्राप्त है, आंशिक रूप से कर योग्य है या पूरी तरह से कर योग्य है। ऐसी स्थिति में उन्हें पंजीकरण कराने और देय कर, ब्याज और जुर्माने का भुगतान करने का प्रस्ताव शामिल है।

पंडित ने कहा, ''यदि कारोबार में ट्यूशन शुल्क जैसी वस्तुओं या सेवाओं से पूरी छूट है, तो फिर पंजीकरण की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का ईरान ने परीक्षण किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सोमवार को एक उप-कक्षीय परीक्षण उड़ान के तहत अपने सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का परीक्षण किया। यह परीक्षण जून में ईरान-इज़राइल युद्ध और अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद पहला ऐसा परीक्षण है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, यह परीक्षण अंतरिक्ष तकनीक में नई उभरती तकनीकों का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। घासेद रॉकेट ठोस और तरल ईंधन से संचालित होता है और इसे पहली बार 2020 में प्रक्षेपित किया गया था। यह परीक्षण ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम और उपग्रह क्षमताओं को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

ट्रंप प्रशासन ने 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिका की एक संघीय अदालत में अहम मुकदमे की सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। हार्वर्ड ने दलील दी कि ट्रंप प्रशासन ने उसके 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा गया है। प्रशासन ने हार्वर्ड पर उदारवाद और यहूदी विरोध का अड्डा होने का आरोप लगाया है। हार्वर्ड ने इसका विरोध किया है और फंड कटौती के खिलाफ यह मुकदमा उच्च शिक्षा जगत में ध्यान आकर्षित कर रहा है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इससे अनुसंधान, करियर और प्रयोगशालाओं को नुकसान होगा। सरकार ने कहा कि ट्रंप के आदेशों का उल्लंघन होने पर वह फंड रोकने का अधिकार रखती है।

जोहरान ममदानी अमेरिका से युगांडा गए, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के डेमोक्रेटिक नेता का युगांडा दौरा चर्चा में है। न्यूयॉर्क सिटी में मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी अपनी शादी का जश्न मनाने जन्मस्थान युगांडा गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह निजी यात्रा पर इस पूर्वी अफ्रीकी देश में आए हैं और जुलाई के अंत तक न्यूयॉर्क सिटी लौट आएंगे। आगामी नवंबर में होने वाले चुनाव में 33 वर्षीय ममदानी का मुकाबला एंड्रयू कुओमो और मौजूदा मेयर एरिक एडम्स जैसे उम्मीदवारों से है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर वीडियो में ममदानी ने मजाक में कहा, ऑनलाइन ट्रोल की सलाह मानकर वे अफ्रीका लौट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर घृणा करने वाले लोगों से माफी मांगते हुए ये भी कहा कि वे वापस जरूर आएंगे।

ब्रिटेन में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर फेंके पत्थर और अंडे

लंदन , एजेंसी। लंदन के पास एक होटल में रह रहे शरणार्थियों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान ब्रिटेन की पुलिस पर पत्थर और अंडे फेंके जाने की खबर है। पुलिस ने कहा कि रविवार को यौन शोषण के शक में गिरफ्तारी के बाद 100 से अधिक प्रदर्शनकारी जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने सेव अवर किड्स और सेंड देम होम जैसे नारे लगाए। विरोध उग्र होने पर पुलिस की गाड़ियों पर हमला हुआ। ऐसे प्रदर्शन पिछले सप्ताह भी हुए थे। पुलिस ने हिंसा से सख्ती से निपटने की चेतावनी दी है।

पंजाब प्रांत में ईशनिंदा का केस, ईसाई गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ईसाई व्यक्ति को ईशनिंदा के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना पिछले हफ्ते लाहौर की निशात कॉलोनी में घटी। आरोपी का नाम आमिर मसीह है और उसे एक मुस्लिम, सनूर अली की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। दोनों एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। जानकारी के मुताबिक एक दिन मसीह अली की किनारे की दुकान पर आया और आर्थिक तंगी के चलते पाकिस्तान छोड़ने की बात करते हुए अचानक पैगंबर साहब के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी की। अली ने पुलिस को बताया कि मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा। पुलिस अधिकारी जुल्फकार अली ने कहा कि बाद में अली ने पुलिस से संपर्क किया और मसीह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-सी के तहत केस दर्ज किया गया।

पाकिस्तान के सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी को छह सीटें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सीनेट सीटों के लिए कराए गए चुनाव में 11 में से 6 सीटें जीती हैं। विपक्षी दलों को 5 सीटें मिलीं। चुनाव में 145 सदस्यों ने मतदान किया। सात सामान्य सीटों में से पीटीआई ने चार पर जीत दर्ज की, जबकि तीन विपक्ष के हिस्से गई। तकनीकी सीटों में पीटीआई के आजम स्वाती और जे यूआई के दिलावर खान ने जीत हासिल की। आधिकारिक नतीजे कुछ दिनों में चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए जाएंगे।

100 साल तक सत्ता में रहने की सनक ! फिर चुनाव लड़ेगा दुनिया का सबसे बूढ़ा राष्ट्रपति, विपक्ष बेचैन

याओंदे, एजेंसी। विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्राध्यक्ष कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया हैं जिनकी उम्र 92 वर्ष है। मजेदार बात ये है कि पॉल बिया ने अभी भी रिटायरमेंट का फैसला नहीं किया है। उन्होंने अक्टूबर 2025 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में फिर से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। इस कदम से उनकी 43 साल की सत्ता सात साल तक और बढ़ सकती है। यानी वह 100 वर्ष की आयु तक सत्ता में बने रह सकते हैं। बिया 1982 से सत्ता में हैं और उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, मैं 12 अक्टूबर 2025 के राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार हूं। निश्चिंत रहें कि आपकी सेवा करने का मेरा संकल्प हमारे सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के अनुरूप है। बिया ने अपने बयान में दावा किया कि उनकी उम्मीदवारी का फैसला कैमरून के सभी क्षेत्रों और प्रवासी समुदायों से अनेक और आग्रहपूर्ण अनुरोधों के बाद लिया गया है। हालांकि, उनकी लंबी सत्ता को लेकर देश के भीतर और बाहर से ताजा नेतृत्व की मांग तेज हो रही है। कई विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज समूहों ने बिया के शासन को आर्थिक और लोकतांत्रिक विकास में बाधक बताया है।

विपक्ष की चुनौती और जनता की क्या प्रतिक्रिया : बिया की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कई विपक्षी नेताओं ने भी चुनाव में उतरने की घोषणा की है। इनमें 2018 के उपविजेता मौरिस कामटो (कैमरून रेनेसां मूवमेंट), जोशुआ ओसिह (सोशल डेमोक्रेटिक फ्रंट), अकेरे मुना, और कैब्रल लिबी (कैमरून पार्टी फॉर नेशनल रिकॉन्सिलिएशन) शामिल हैं। ये सभी बिया के लंबे शासन की आलोचना करते हुए सुधारों और निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि बिया के शासन में भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में विफलता ने देश को संकट में डाल दिया है। कैमरून रेनेसां मूवमेंट के महासचिव क्रिस्टोफर एनकॉन्ग ने कहा, पापा, आपने अपना सर्वश्रेष्ठ कर दिया। क्या अब आप किसी अन्य कैमरूनवासी को सत्ता सौंपने के लिए नहीं जा सकते? राजधानी याओंदे की सड़कों पर लोगों ने बीबीसी को बताया कि वे राजनीति पर खुलकर टिप्पणी करने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें प्रतिशोध का डर है। एक व्यक्ति ने गुमनाम रहते हुए कहा, मैंने कभी नहीं देखा या सुना कि इतनी उम्र का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हो।

बिया का शासन: उपलब्धियां और विवाद : पॉल बिया 1982 में अपने पूर्ववर्ती अहमदौ अहिद्जो के इस्तीफे के बाद सत्ता में आए। उनके शासनकाल में कैमरून ने आर्थिक संकट का डटकर सामना किया और एकदलीय शासन से हटकर बहुदलीय व्यवस्था की ओर बढ़ा। हालांकि, उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार, धन के गबन, और कुप्रबंधन के आरोप लगातार लगते रहे हैं। 2008 में, बिया ने संविधान में संशोधन कर कार्यकाल की सीमा को समाप्त कर दिया, जिससे वह अनिश्चितकाल तक राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। 2018 के चुनाव में उन्होंने 71 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए, लेकिन विपक्ष ने व्यापक अनियमितताओं का आरोप लगाया। बिया की सेहत को लेकर भी अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पिछले साल उनकी छह सप्ताह से अधिक की सार्वजनिक अनुपस्थिति ने उनकी सेहत और शासन करने की क्षमता पर अटकलों को जन्म दिया, जिसमें उनकी मृत्यु की अफवाहें भी शामिल थीं। कैमरून में जहां औसत आयु केवल 18 वर्ष है और औसत जीवन प्रत्याशा 63 वर्ष है, वहां युवाओं में बिया के शासन के प्रति निराशा बढ़ रही है। डौआला में एक 27 वर्षीय मोटरसाइकिल टैक्सी ड्राइवर आंद्रे औआंदजी ने कहा, हमने कई साल पहले सरकार पर भरोसा करना छोड़ दिया। देश में बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें, और खराब सार्वजनिक सेवाएं आम शिकायतें हैं। 2023 के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 80प्रतिशत कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, और एक तिहाई आबादी प्रतिदिन 2 डॉलर या उससे कम पर जीवनयापन करती है। पश्चिमी कैमरून में अंग्रेजी भाषी अलगाववादियों द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा के बाद हिंसा की आशंका भी बढ़ रही है।

तेल टैंकरों में रहस्यमयी धमाकों के बाद पुतिन का फरमान, विदेशी जहाजों की एंट्री पर नई शर्त

मॉस्को, ब्लूमबर्ग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के सभी समुद्री बंदरगाहों पर विदेशों से आने वाले जहाजों की जांच और एंट्री के नियम और सख्त कर दिए हैं। अब किसी भी विदेशी जहाज को रूसी समुद्री बंदरगाह में प्रवेश के लिए पोर्ट कप्तान की अनुमति लेनी होगी, जो फेडरल सिक्योरिटी सर्विस यानी रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी के साथ मिलकर दी जाएगी। पहले तक, यह मंजूरी केवल उन्हीं जहाजों के लिए जरूरी थी जो रूसी नौसैनिक बेस के आसपास के पोर्ट्स पर आते थे, लेकिन अब यह देश के सभी बंदरगाहों पर लागू होगी। हाल के महीनों में रूसी या रूसी बंदरगाहों पर गए तेल टैंकरों पर कई रहस्यमय ब्लास्ट हुए हैं। सबसे ताजा धमाका करीब एक महीने पहले लीबिया के पास एक ऐसे जहाज पर हुआ था, जो इसके पहले रूस के बाल्टिक बंदरगाह उस्त-लुगा और ब्लैक सी पोर्ट नोवोरोसिस्क पर भी रुका था। इन धमाकों के कारण सुरक्षा एजेंसियों ने संदेह जताया है कि किसी राज्य-प्रायोजित एजेंसी ने रूसी तेल टैंकरों को निशाना बनाया हो सकता है। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, रूस की सुरक्षा परिषद ने भी बंदरगाहों की सुरक्षा के उपायों को बढ़ाने की सिफारिश की थी। बंदरगाहों पर पहुंचने वाले जहाजों के पतवार (हुल) की अंडरवॉटर जांच के लिए रूस के पोर्ट अथॉरिटी ने बड़ा टेंडर निकाला है, जिसमें 3.16 अरब रूबल (करीब 40.4 मिलियन) खर्च किए जाएंगे। अब जहाज मालिक गोताखोरों और अंडरवॉटर ड्रोन की मदद से ऐसे जहाजों की जांच करा रहे हैं, जिन्होंने कभी रूसी बंदरगाहों पर लंगर डाला हो—इनमें बारूदी सुरंग या विस्फोटक लगाने का डर सता रहा है।

प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी की चचेरी बहन की संदिग्ध मौत, शव के पास मिली बंदूक; खुदकुशी करने की आशंका

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमार हैरी की चचेरी बहन रोजी रोश की संदिग्ध हालात में अपने घर में मौत हो गई। उनके शव के पास बंदूक पड़ी मिली। हालांकि पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है। अफसरों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत राजकुमारी डायना के चाचा की पोती रोजी रोश विल्टशॉयर में रहती थी। 20 वर्षीय रोजी अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए सामान पैक कर रहीं थीं। इस दौरान उनकी मां और बहन ने कमरे में उनका शव पड़ा देखा। शव को देखकर दोनों के होश उड़ गए। घटनास्थल से बंदूक बरामद की गई। कोरोनर ग्रांट डेविस ने कहा कि पुलिस ने रोजी की मौत को गैर संदिग्ध माना है। उन्होंने माना कि रोजी की मौत में किसी तीसरे का हाथ नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि रोजी ने खुदकुशी की होगी। एक लेख में उनको ह्यू और पिप्पा की प्यारी बेटी, आर्ची और अगाथा बहन, डेरेक और रे लॉन्ग की पोती बताया गया। रोजी डरहम विश्वविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन कर रही थी। वह दोस्तों के साथ छुट्टी पर जाने के लिए बेहद उत्साहित थीं। एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी बहुत याद आएगी। परिवार ने उनके निधन को लेकर निजता बनाए रखने की अपील की है। उनको निधन के बाद निजी अंतिम संस्कार और निजी श्रद्धांजलि सभा होगी।

परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने की तैयारी में ईरान, तुर्किये में यूरोपीय देशों से करेगा बात

तेहरान, एजेंसी। पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इस्राइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी की है। ईरान अब तुर्किये में यूरोपीय देशों के साथ परमाणु वार्ता करने जा रहा है। इस्राइल के साथ युद्ध विराम के बाद यह पहला मौका है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई शुरुआत करने जा रहा है। हालांकि मई में भी इस्तांबुल में ऐसी ही बैठक हुई थी। पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इन तीनों राष्ट्रों को ई3 के रूप में जाना जाता है। बैठक में यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख काजा कालास भी शामिल होंगे।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि बातचीत का विषय साफ है। पहला प्रतिबंधों को हटाना और दूसरा ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दे। यह बैठक उप-मंत्री स्तर पर होगी। जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मार्टिन गिसे ने कहा कि वार्ता विशेषज्ञ स्तर पर हो रही है। ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करना चाहिए। इसलिए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ईरानी परमाणु कार्यक्रम के स्थायी और सत्यापन योग्य कूटनीतिक समाधान के लिए उच्च दबाव में काम करना जारी रख रहे हैं। यह कार्रवाई अमेरिका के साथ भी समन्वित है। गीसे ने कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि यदि अगस्त के अंत तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो श्3 के लिए स्नैपबैक एक विकल्प बना रहेगा। ईरानी विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को लिखा पत्र ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि तीनों यूरोपीय देशों के पास इस तरह के तंत्र को लागू करने के लिए कानूनी, राजनीतिक और नैतिक आधार का अभाव है।

26 देशों ने कहा- युद्ध रोके इस्राइल, निंदा प्रस्ताव पारित; अमेरिका-जर्मनी ने नहीं किए हस्ताक्षर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन, फ्रांस और कई यूरोपीय देशों सहित 26 राष्ट्रों ने संयुक्त बयान जारी कर गाजा युद्ध को तुरंत समाप्त करने की मांग की है। दूसरी ओर, इस्राइली सेना ने सोमवार को पहली बार गाजा के मध्यवर्ती शहर दीर अल-बलाह में प्रवेश किया।

21 महीने के युद्ध में अब तक यह शहर बड़े युद्धक विनाश से बचा हुआ था। 26 देशों की ओर से संयुक्त बयान में गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। इसमें 800 से अधिक फलस्तीनियों की मौत को भयावह बताया गया। वे भोजन-पानी की तलाश में थे। उन्होंने अमेरिका समर्थित संगठन गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के माध्यम से भेजे जा रहे भोजन वितरण के दौरान इस्राइली सैनिकों की गोलीबारी में सैकड़ों फलस्तीनियों के मारे जाने की भी निंदा की गई। इस बयान पर यूरोप के 20 देशों के साथ कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों ने भी हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिका और जर्मनी इस

सूची में शामिल नहीं है। गौरतलब है कि गाजा की 20 लाख से ज्यादा फलस्तीनी आबादी भयावह मानवीय संकट से जूझ रही है। अब वे मुख्यतः उस क्षेत्र में आने वाली सीमित मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। यहां पर तमाम लोग कई बार विस्थापित हो चुके हैं। गाजा में जारी लड़ाई ने क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी संघर्षों को जन्म दिया है। इसमें इस्राइल और यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष भी शामिल है। दीर अल-बलाह में इस्राइली सेना के प्रवेश करने के कदम को गाजा को सैन्य गलियारों में बांटने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। बंधकों के परिवारों ने इस्राइल के इस पर चिंता जताई है। इस्राइल का मानना है कि इस क्षेत्र में हमास के कब्जे वाले बंधकों का रखा गया है। इस्राइल का दावा है कि ताजा सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य हमास पर बंधकों को छोड़ने का दबाव बनाना है। क्योंकि बंधकों का मुद्दा युद्धविराम वार्ता में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। गाजा में 21 महीने से ज्यादा समय से जारी लड़ाई में जान गंवाने वाले फलस्तीनियों की संख्या 59 हजार से अधिक हो गई है।

ब्रिटेन की पूर्व सांसद का पति पर आरोप- 10 साल तक शोषण किया?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की पूर्व सांसद केट निवेटन ने अपने पति और पूर्व सांसद एंड्रयू ग्रिफिथ्स पर यौन शोषण और शादीशुदा जिंदगी में घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए हैं। ब्रिटेन के टीवी चैनल आईटीवी1 की एक डॉक्यूमेंट्री में केट ने बताया कि ग्रिफिथ्स ने उनके साथ कई बार तब रेप किया, जब वह सो रही थीं। केट ने बताया वह तब मेरे साथ जबरन संबंध बनाता जब मैं नींद में होती थी। कई बार मैं बस सह लेती थी, लेकिन कई बार रो देती थी। तब वह गुस्से में मुझे बिस्तर से लात मारकर बाहर फेंक देता था। मैं रोती थी, डरती थी, लेकिन वह कहता था- कोई तुम्हारी बात पर भरोसा नहीं करेगा, मैं सांसद हूं, पुलिस भी मेरे साथ है। मैं खुद को एक कमरे में बंद कर लेती या घर छोड़कर चली जाती थी। ग्रिफिथ्स और केट की शादी 2013 में हुई थी। हालांकि 5 साल बाद ही 2018 में दोनों अलग हो गए। एक घटना याद करते हुए केट ने बताया कि उनकी बेटी सिर्फ दो हफ्ते की थी। एक सुबह जब वह दूध के लिए रो रही थी और ग्रिफिथ्स संसद जाने की तैयारी कर रहा था। तब उसने बच्ची पर चिल्लाते हुए कहा- चुप हो जा

हरामखोर.... केट आगे कहती है - लोग सोचते हैं कि मिडिल क्लास प्रोफेशनल लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। लोगों को लगता है कि घरेलू हिंसा सिर्फ गरीब तबके में होती है, लेकिन सच ये है कि यह किसी के भी साथ हो सकती है। ब्रिटेन के एक फैमिली कोर्ट ने 2021 में माना कि ग्रिफिथ्स ने केट के साथ रेप किया और बार-बार शारीरिक हिंसा की। कोर्ट ने यह भी माना कि उसने मानसिक रूप से भी उन्हें प्रताड़ित किया। केट ने कहा कि वो 5 साल की यातना झेलने के बाद भी 5 साल तक कानूनी सिस्टम से लड़ती रहीं। केट के मुताबिक अलग होने के बाद भी ग्रिफिथ्स उन्हें 5 साल तक लीगल सिस्टम के जरिए परेशान करते रहे। केट की यह पूरी कहानी चैनल आईटीवी1 और उसके डिजिटल प्लेटफॉर्म आईटीवीएक्स पर ब्रेकिंग द साइलेंसः केट्स स्टोरी नाम की डॉक्यूमेंट्री में दिखाई जा रही है। इसमें केट की निजी कहानी के अलावा यह भी दिखाया गया है कि कैसे ब्रिटेन के फैमिली कोर्ट्स हर साल 30 हजार से ज्यादा घरेलू हिंसा के मामलों में कमजोर फैसले लेते हैं।

निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा, ईसाई प्रचारक केए पॉल का दावा; पीएम मोदी को कहा धन्यवाद

सना, एजेंसी। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्ष निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा। ईसाई धर्म के प्रचारक केए पॉल ने ये दावा किया है। साथ ही केए पॉल ने पीएम मोदी को धन्यवाद भी कहा है। ईसाई धर्म के प्रचारक और ग्लोबल पीस इनीशिएटिव के संस्थापक डॉ. केए पॉल ने मंगलवार रात को एक वीडियो संदेश में दावा किया कि यमन की राजधानी सना की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द कर दी गई है। डॉ. केए पॉल ने वीडियो संदेश में यमन के नेताओं को धन्यवाद दिया और उनकी कोशिशों की सराहना की।

डॉ. केए पॉल ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद : डॉ. केए पॉल ने कहा कि यमन के नेताओं ने बीते 10 दिनों तक दिन रात काम किया। डॉ. पॉल ने कहा कि मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने निमिषा प्रिया की मौत की सजा को रद्द कराने में मदद की। भगवान के आशीर्वाद से निमिषा प्रिया को जल्द ही रिहा किया जाएगा और फिर वह भारत लौटेगी। मैं प्रधानमंत्री मोदी को भी धन्यवाद करता हूं, जो निमिषा प्रिया को ले जाने के लिए राजनयिक भेज रहे हैं। बीते हफ्ते भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी अपने एक बयान में बताया था कि सरकार निमिषा प्रिया को बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है। सरकार ने निमिषा प्रिया के परिवार की मदद के लिए एक वकील भी नियुक्त किया है, जो यमन के कानून के मुताबिक उनकी मदद कर रहा है। साथ ही शरिया कानून के तहत निमिषा को माफी मिलने के कोशिशों की भी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के बयान से पहले केरल के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबुबकर अहमद

कांतापुरम ने बताया कि उन्होंने यमन के मुस्लिम धर्मगुरुओं से बात की है और उनसे निमिषा प्रिया की रिहाई की अपील की। शेख अबुबकर ने दावा किया कि उनके बात करने के बाद ही निमिषा को 16 जुलाई को दी जाने वाली फांसी की सजा टाल दी गई थी।

निमिषा को यमन में क्यों मिली मौत की सजा : केरल के पलक्कड़ की निवासी निमिषा प्रिया साल 2008 में एक नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। वहां कई अस्पतालों में काम करने के बाद निमिषा प्रिया साल 2011 में केरल वापस आईं और यहां टॉमी थॉमस से उनकी शादी हुई। दोनों की एक बेटी है, जो इस समय केरल में रहती है। साल 2015 में निमिषा ने यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ मिलकर एक मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत की थी। साल 2017 में महदी का शव एक वॉटर टैंक में पाया गया और हत्या का आरोप निमिषा पर लगा। आरोप है कि निमिषा ने नींद की दवा की अधिक डोज देकर महदी की हत्या की और उनके शव को छिपाने की कोशिश की। इसके एक महीने बाद निमिषा को यमन-सऊदी अरब की सीमा से गिरफ्तार किया गया। निमिषा के वकील ने दलील दी कि महदी ने निमिषा का शारीरिक उत्पीड़न किया और उसका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया था और निमिषा को धमकाया था। हालांकि तलाल अब्दो महदी के भाई ने इन आरोपों से इनकार किया। साल 2020 में, सना की एक अदालत ने निमिषा को मौत की सजा सुनाई। साल 2023 में यमन के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस सजा को बरक़रार रखा। निमिषा प्रिया फ़िलहाल सना जेल में बंद है। निमिषा प्रिया के लिए कथित मसीहा बने सैमुअल जेरोम पर तलाल के परिवार ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। तलाल अब्दो महदी के भाई अब्दुल फतह ने कहा है कि सैमुअल जेरोम ने उनके परिवार से कभी मुलाकात ही नहीं की। उन्होंने कहा कि जेरोम निमिषा प्रिया के नाम पर अवैध रूप से फंड इकट्ठा कर रहे हैं। उन्होंने जेरोम पर 40 हजार डॉलर के गबन का आरोप लगाया है।

रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा, कॅरियर के आखिरी मैच में खेली तूफानी पारी

एजेंसी ▶▶| जमैका

वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल क्रिकेट से रिटायर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी20 उनके करियर का आखिरी मैच रहा, जिसमें उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बैटिंग की और गेंदबाजी भी की। रसेल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टी20 मैच उनके करियर का आखिरी मुकाबला होगा।

रसेल ने दूसरे टी20 में 240 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 36 रनों की कैमियो पारी खेली, लेकिन रसेल अपने आखिरी मैच में वेस्टइंडीज की जीत नहीं देख पाए। आंद्रे रसेल इस मैच में तब बैटिंग करने आए जब वेस्टइंडीज का स्कोर 98/5 हो चुका था। उन्होंने आते ही तूफानी अंदाज में शॉट्स लगाने शुरू किए और अपनी 36 रनों की ताबड़तोड़ पारी में उन्होंने 2 चौके और चार छक्के लगाए। उनकी इस तूफानी पारी ने वेस्टइंडीज को 170 का स्कोर पार करने में मदद की।

रसेल ने टी20 में 240 के स्ट्राइक रेट से बनाए 36 रन

रसेल को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

आंद्रे रसेल ने अपनी रिटायरमेंट स्पीच में कहा, मैं सबीना पार्क में मौजूद लोग और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड से मिले अवसरों का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं अपने घरेलू फैंस के सामने संन्यास लेकर बहुत खुश हूं, लेकिन मैच का परिणाम हमारी तरफ नहीं गया। मैं खुश हूं कि अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए इतने सारे मैच खेल पाया, सपोर्ट के लिए सभी का धन्यवाद।"

अब आगे बढ़ने का समय

रसेल ने कहा,"मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते, लेकिन लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था। हमारी टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर जैसे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सबीना पार्क में अपना करियर खत्म करना अद्भुत है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, लेकिन यही क्रिकेट का खेल है। आपने हमारा बहुत समर्थन किया है और आगे भी करते रहिएगा।"वेस्टइंडीज का यह ऑलराउंडर जब आखिरी बार मैरून रंग की जर्सी में मैदान पर उतरा, तो उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

मैच नहीं जीत पाया वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज की टीम एक जीत के साथ आंद्रे रसेल को विदा नहीं कर पाई। इस मैच में कैरेबियाई टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। रसेल की 36 रनों की तूफानी पारी के अलावा ब्रेंडन किंग ने 51 रनों की पारी खेली थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 28 गेंद शेष रहते 8 विकेट की आसान जीत अपने नाम की। सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श कुछ खास कमाल नहीं कर पाए, लेकिन जोश इंग्लिश 78 रन और कैमरन ग्रीन 56 रन बनाकर नाबाद लौटे।

ऐसा रहा आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल कॅरियर

आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल करियर देखा जाए तो उसमें उन्होंने वेस्टइंडीज टीम के लिए तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 143 मुकाबले खेले, जिसमें वह 23.97 के औसत से 2158 रन बनाने में कामयाब रहे। रसेल अपने इंटरनेशनल करियर में एक भी शतकीय पारी खेलने में कामयाब नहीं हो सके, जिसमें उनके बल्ले से 7 अर्धशतकीय पारी देखने को मिली और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 92 रन था। वहीं रसेल का गेंदबाजी में रिकॉर्ड देखा जाए तो वह 32.21 के औसत से 132 विकेट लेने में कामयाब रहे। रसेल ने कुल 9 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड के अलावा एक बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी जीता है। इसके अलावा 2 बार आंद्रे रसेल वेस्टइंडीज टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसमें उन्होंने विंडीज टीम को ट्रॉफी जितवाने में अहम भूमिका अदा की।

खबर संक्षेप

भारतीय महिला क्रिकेट ने रचा इतिहास, वनडे सीरीज पर किया कब्जा

चेस्टर ली स्ट्रीट। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड दौरे पर इतिहास रच दिया है। इस दौरान उन्होंने पहले 5 मैचों की टी20 सीरीज को 3-2 से जीता तो वहीं अब तीन मैचों की वनडे सीरीज को भी 2-1 से जीतने में कामयाब रही। इस वनडे सीरीज का आखिरी मैच 22 जुलाई को चेस्टर ली स्ट्रीट के मैदान पर खेला गया, जिसमें टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर की बेहतरीन शतकीय पारी के दम पर 50 ओवर्स में 5 विकेट के नुकसान पर 318 रनों का स्कोर बनाया था। जबकि टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 305 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम पहली बार इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात देने में कामयाब हुई है। इंग्लैंड महिला टीम के लिए तीसरे वनडे में टीम इंडिया की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरी। क्रांति ने इस मैच में अपने 9.5 ओवर्स में 52 रन देने के साथ 6 विकेट हासिल किए।

महिला पेशेवर गोल्फ टूर नेहा ने बनाई बढ़त

कोलार (कर्नाटक)। नेहा त्रिपाठी ने पहले दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से बुधवार को महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 10वें चरण में एक शॉट की बढ़त बना ली। पिछले हफ्ते नौवें चरण में उप विजेता रही नेहा ने पांच बर्डी की लेकिन वह दो बोगी भी कर गईं, जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा। नेहा ने दुर्गा निट्टूर (70) पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है। नेहा और दुर्गा के अलावा सिर्फ रिद्धिमा दिलावरी ही पार या इससे बेहतर का स्कोर बना सकीं। वह अंतिम चार होल में दो बर्डी की मदद से पार 72 का स्कोर बनाकर तीसरे स्थान पर हैं।

डीसी ओपन : एम्मा ने मार्टा को हराया, किया अगले दौर में प्रवेश

वाशिंगटन। एम्मा रादुकानू ने सातवीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक को 7-6 (4), 6-4 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। कोस्त्युक को इस तरह से लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार का सिलसिला दो महीने से भी अधिक समय से चल रहा है। यह लगातार पांचवा टूर्नामेंट है, जिसमें वह पहले दौर में बाहर हो गईं। उन्होंने 11 मई के बाद से कोई मैच नहीं जीता है। अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन और वर्तमान में विश्व में 46वीं रैंकिंग की खिलाड़ी रादुकानू का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा।

वोक्स की यॉर्कर पैर पर लगने के बाद पंत हुए 'रिटायर्ड हर्ट'

जायसवाल-सुदर्शन के अर्धशतक भारत के चार विकेट पर 264 रन

भाषा ▶▶| मैनचेस्टर

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए पचासा जड़ा जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर में चोट लगने के कारण 'रिटायर्ड हर्ट' हो गए। आसमान में बादल छाए थे और भारतीय टीम को बल्लेबाजी का न्योता मिला जिसके बाद भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (46 रन) और जायसवाल (107 गेंद) ने 94 रन जोड़कर श्रृंखला में अपनी सर्वोच्च साझेदारी निभाई। इसके बाद सुदर्शन (151 गेंद) ने दबाव में एक जबरदस्त पारी खेली और करुण नायर पर अपने चयन को सही साबित किया।

सुदर्शन के साथ बल्लेबाजी कर रहे पंत (48 गेंद में 37 रन, रिटायर्ड हर्ट) क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स हिट से चूक गए। गेंद पंत के दाहिने पैर पर लगी जिससे उन्हें काफी दर्द हुआ और आखिरकार उन्हें गोल्फ कार्ट में मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। पैर में खून भी निकलता दिख रहा था जिससे भारतीय प्रशंसक और ड्रेसिंग रूम में सभी काफी चिंतित थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते समय लगी उंगली की चोट से उबरने के बाद पंत इस मैच में उतरे थे। पूरे दिन बादल छाए रहे, लेकिन धीमी पिच ने बल्लेबाजों को जोफ्रा आर्चर की तेज रफ्तार का सामना करने के लिए पर्याप्त समय दिया। स्टोक्स लगभग इसी तरह सुदर्शन को आउट कर ही देते लेकिन जैमी स्मिथ ने लेग स्टंप पर एक सामान्य कैच छोड़ दिया जिससे इस भारतीय बल्लेबाज को जीवनदान मिला। तब वह 20 रन पर थे। उन्होंने किस्मत का फायदा उठाते हुए आर्चर की गेंद पर कुछ पुल शॉट खेले और फिर स्टोक्स की गेंद पर बैकफुट शॉट खेला।

इंग्लैंड के कप्तान ने सुदर्शन को आउट करने के लिए प्रयास जारी रखे लेकिन फिर उन्होंने शॉर्ट बॉल की रणनीति अपनायी। सुदर्शन अंत में उनकी एक गेंद को फाइन लेग पर ब्रायडन कार्स के हाथों में खेल गए। यह युवा भारतीय बल्लेबाज पारी की शुरुआत में सतर्क था, वह मिडिल और लेग स्टंप पर पिच होने वाली गेंदों पर ही रन बना रहे थे।

मैनचेस्टर में 51 साल बाद किसी भारतीय ओपनर का अर्धशतक

भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच में खराब प्रदर्शन के बाद मैनचेस्टर में अच्छी वापसी की और पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया। यशस्वी जायसवाल पहली पारी में काफी संभलकर खेलते नजर आए और किसी भी तरह की जल्दबाजी उन्होंने नहीं दिखाई और आखिरकार अपना अर्धशतक पूरा किया।

राहुल ने छुआ नया मुकाम

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इस मैच में 11 रन बनाकर एक खास उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वह पांचवें भारतीय खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर-विराट कोहली जैसे दिग्गजों की लिस्ट में अपना नाम शामिल कर लिया है।

सचिन के नाम है सबसे ज्यादा रन

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो वहां सचिन तेंदुलकर का नाम टॉप पर है। तेंदुलकर ने अपने करियर में इंग्लैंड में 17 मैचों में 54.31 के औसत से 1575 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर राहुल द्रविड़ का नाम है। द्रविड़ ने इंग्लैंड में 13 मैचों में 68.80 के औसत से 1376 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का नाम है। इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में उनके बल्ले से 16 मैचों में 1152 रन आए थे। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का नाम इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। उन्होंने इंग्लैंड में 17 मैचों में 33.21 के औसत से 1096 रन बनाए थे। वहीं मैनचेस्टर में खेले जा रहे टेस्ट मैच में 11 रन बनाकर अब केएल राहुल ने भी इंग्लैंड में 1000 रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 13 मैचों में 1008 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय

सचिन तेंदुलकर	: 1575 रन
राहुल द्रविड़	: 1376 रन
सुनील गावस्कर	: 1152 रन
विराट कोहली	: 1096 रन
केएल राहुल	: 1008* रन

चाइना ओपन

सिंधू ने 62 मिनट चले कड़े मुकाबले में जापान की मियाजाकी को हराया

- सिंधू ने मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में किया प्रवेश
- सात्विक-चिराग की जोड़ी की दमदार शुरुआत, जापान को हराया

एजेंसी ▶▶| चांगझू

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया।

सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। पिछले साल स्विस ओपन में वह जापानी खिलाड़ी से हार गई थीं।

सात्विक और चिराग की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की। रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी हालांकि हांगकांग की नगा टिंग येउंग येउंग और पुई लाम येउंग से 31 मिनट में 12-21, 13-21 से हार गईं।

महिला यूरो टूर्नामेंट

इंग्लैंड ने इटली को हराया फाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी ▶▶| जिनेवा

गत विजेता इंग्लैंड ने हार की कगार पर पहुंचने के बाद शानदार वापसी करते हुए इटली को 2-1 से पराजित करके महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया।

जब इटली की जीत सुनिश्चित लग रही थी तब मैच का पासा एकदम से पलट गया और इंग्लैंड फाइनल में पहुंचने में सफल रहा, जहां उसका सामना जर्मनी और स्पेन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इटली ने बारबरा बोनसी के 33वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल की, जिसे उसने निर्धारित समय के खेल के अंतिम क्षणों तक बरकरार रखा था। इटली जब जीत का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा था तब दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के छठे मिनट में मिशेल अग्येमंग ने गोल करके इंग्लैंड को बराबरी दिला दी। इससे मैच अतिरिक्त समय तक खिंच गया। इसके बाद जब लग रहा था कि मैच का फैसला पेनाल्टी शूट आउट में होगा तब इंग्लैंड ने 119वें मिनट में क्लो केली के गोल से जीत हासिल कर ली। इटली के खिलाड़ी इस हार के बाद अपनी भावनाओं को काबू में नहीं रख सकी और उनके आंसू निकल आए।

आईओए को मिलेगा नया सीईओ, अय्यर की हो सकती है नियुक्ति

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के भीतर लंबे समय से चल रहा विवाद अब खत्म होने की ओर बढ़ता दिख रहा है क्योंकि कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्यों के रघुराम अय्यर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्ति को मंजूरी देने की उम्मीद है। विरोध कर रहे कार्यकारी परिषद के इन सदस्यों ने जनवरी 2024 में आईओए अध्यक्ष पीटी उषा की ओर से की गई अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था, जिसका मुख्य कारण सीईओ के लिए 20 लाख रुपए प्रति माह का वेतन और अन्य भत्ते थे। कार्यकारी परिषद की सितंबर 2024 में हुई बैठक में भी इसका हल नहीं निकला, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एक अधिकारी ने वर्चुअल रूप से भाग लिया था। पता चला है कि खेल मंत्रालय के आग्रह पर सुलह होने वाली है।

एआईयू ने संयुक्त सचिव सेखों को किया सस्पेंड जांच के लिए बनाई पैनल

नई दिल्ली। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने अपने संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सेखों को निलंबित कर दिया है और जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के लिए चुने गए खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में भाग लेने से चूकने के कुप्रबंधन की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया है। जांच समिति की अध्यक्षता बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति अनिल कुमार कलकल करेंगे। इससे पहले, खेल मंत्रालय ने भी इस घटनाक्रम पर संज्ञान लिया था।

छह खिलाड़ियों को भाग लेने से रोका

भारतीय बैडमिंटन टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था लेकिन उस समय विवाद पैदा हो गया जब यह बात सामने आई कि 16 जुलाई को टीम मैनेजरों की बैठक के दौरान भारतीय अधिकारियों ने सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत न कर पाने के कारण चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को भाग लेने से रोक दिया गया था।

यूएस किड्स वर्ल्ड टीन गोल्फ चैंपियनशिप महरीन और अर्शवंत करेंगे नेतृत्व

एजेंसी ▶▶| पाइनहर्स्ट

भारत के दो किशोर गोल्फ खिलाड़ी महरीन भाटिया और अर्शवंत श्रीवास्तव इस सप्ताह उत्तरी कैरोलिना के प्रतिष्ठित पाइनहर्स्ट में होने वाली 'यूएस किड्स वर्ल्ड टीन चैंपियनशिप' में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। इस साल टूर्नामेंट में भारत के छह खिलाड़ी हैं। लड़कों की 15-18 आयु वर्ग में दो और लड़कियों की 15-18 आयु वर्ग में चार गोल्फर हैं।

महरीन 2024 चरण में तीसरे स्थान और 2023 में उपविजेता रही थीं। पिछले साल उन्होंने 2024 शुभंकर शर्मा आमंत्रण टूर्नामेंट में जीत दर्ज थी और वह 2024 में टॉमी फ्लीटवुड इंटरनेशनल पाथवे सीरीज में दूसरे स्थान पर रहीं। पिछले साल जुलाई में उन्होंने अमेरिका में एफसीजी कॉलवे वर्ल्ड जूनियर्स भी जीता। वह फाल्डो सीरीज एशिया ग्रैंड फाइनल के शीर्ष-5 में रहीं। अर्शवंत को पिछले कुछ वर्षों में इस टूर्नामेंट का काफी अनुभव है। 2024 में उन्होंने एनसीआर कप जूनियर्स और ग्रीन्स टू ग्लोरी टूर्नामेंट में घरेलू सर्किट पर दो जीत हासिल की। वह यूएस किड्स इंडियन चैंपियनशिप में उपविजेता रहे थे। अर्शवंत के अलावा विहान जैन लड़कों के वर्ग में चुनौती पेश करेंगे जबकि लड़कियों के वर्ग में महरीन के अलावा आयशा गुप्ता, अनुष्का गुप्ता और असारा स्वाहने शामिल हैं।

नवरातिलोवा के बाद एकल मैच जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस

वीनस ने 45 की उम्र में रचा इतिहास, बनीं टेनिस की 'आयरन लेडी'

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने अपने करियर में 45 साल की उम्र में एक और बड़ी उपलब्धि को हासिल की है। अब वह प्रोफेशनल सिंगल्स मैच जीतने के मामले में दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया।

वीनस ने डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी।

मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत

उन्होंने मैच के बाद कहा, 'जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है।' वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

मार्टिना नवरातिलोवा पहले नंबर पर काबिज

महिला टेनिस में सबसे अधिक उम्र में सिंगल्स मैच जीतने के मामले में मार्टिना नवरातिलोवा के नाम अभी रिकॉर्ड दर्ज है, जिसमें उन्होंने साल 2004 में 47 साल की उम्र में ये कारनामा किया था जब उन्होंने साल 2004 के विंबलडन में कैटालिना कास्टानो को मात दी थी। वीनस विलियम्स ने इस मुकाबले में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद दिए बयान में कहा कि यह पहला कदम है। पहला मैच हमेशा बेहद मुश्किल होता है। लंबे ब्रेक के बाद वापसी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसे बयां करना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि मैच में उतरते समय मुझे पता था कि मेरे पास जीतने की क्षमता है, लेकिन मुझे इसे साबित करने के लिए जीतकर दिखाना था। इसलिए अच्छा खेलना और जीतना सबसे बेहतरीन है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं संपादक प्रहलाद तेली के लिए मुद्रक अनिल राठी द्वारा अनिल प्रिन्टर्स एण्ड ऑफसेट, 5/एफ-2, न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं ऑफिस 957 वार्ड नंबर 24 धाकड़ मोहल्ला, शाहपुरा, भीलवाड़ा 311404 (राज.) से प्रकाशित। मो. नं. 9115108888, ई-मेल : kismatbhilwara@gmail.com (सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा होगा)